वार्षिक रिपोर्ट

1968-69

संगीत नाटक अकादेमी नई दिल्ली

वार्षिक रिपोर्ट

1968-69

संगीत नाटक अकादेमी नई दिल्ली

वार्षिक रिपोर्ट 1968-69

विषय-सूची

पुण्य स्मृति में	...	1
अकादेमी का संगठनात्मक स्वरूप	...	1-3
1968 में रत्न-सदस्य तथा अकादेमी पुरस्कार	...	3-4
पुरस्कार वितरणा समारोह	...	4-5
सम्मानित एवं पुरस्कार व्यक्तियों की सूची	...	5
पुस्तकालय तथा संगीत श्रवण कक्ष	...	5-6
रिकार्डिग स्टूडियो	...	6-7
संस्थाओं को वित्तीय सहायता	...	7-8
प्रकाशन	...	8-11
अकादेमी की गतिविधियाँ	...	11-15
संगीत नृत्य समारोह	...	15-16
लोक संगीत वाद्य-यन्त्रों की प्रदर्शनी तथा विचार गोष्टी	...	16-18
योजना-गत कार्यक्रम	...	19-22
सूचना सेवा	...	22-24
तीन पैनलो की बैठकें	...	24-25
राज्य अकादेमी के सचिवों का सम्मेलन	...	25-28
राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय और एशिया रंगमंच सस्था	...	29-33
कत्थक केन्द्र	...	33-35
जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादेमी	...	35-37
हिसाब किताब	...	37

परिशिष्ट :

31-3-69 को महासमिति के सदस्य	परिशिष्ट 1	38-41
अकादेमी के रत्न-सदस्य एवं पुरस्कार विजेता	परिशिष्ट 2	42-49
1968-69 में संस्थाओं के लिए अनुदान स्वीकृत	परिशिष्ट 3	50-55
संगीत नाटक अकादेमी के प्रकाशन	परिशिष्ट 4	56-58
आय और व्यय-लेखे का विवरण	परिशिष्ट 5,5 (क), 6, 7	59-72

संगीत नाटक अकादेमी

वार्षिक रिपोर्ट
(1968-69)

पुण्य स्मृति में

1968-1969 में मृत्यु ने संगीत, नृत्य तथा नाटक के क्षेत्रों में ख्याति-प्राप्त अनेक विभूतियों को, जिनका अकादेमी से घनिष्ट संबंध था, हमसे छीन लिया। ये थे :—महासमिति के सबसे पुराने सदस्य श्री जी० वेंक्टचलम; 1962 में हिंदुस्तानी गायन में अकादेमी के पुरस्कार विजेता तथा रत्न-सदस्य उस्ताद बड़े गुलाम अली खां; 1959 में कर्नाटक संगीत में अकादेमी के पुरस्कार विजेता विद्वान् मदुरै श्री मणि अय्यर; महासमिति के एक और वरिष्ठ सदस्य श्री वंदा कनकलिंगेश्वर राव जिन्होंने 1963 में अकादेमी का नाटक-पुरस्कार प्राप्त किया था; तथा 1968 में जात्रा-पारंपरिक रंगमंच में अकादेमी के पुरस्कार विजेता श्री फणिभूषण विद्या विनोद।

इन प्रख्यात कलाकारों की दिवंगत आत्माओं को अकादेमी अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करती है।

अकादेमी का संगठनात्मक स्वरूप

1860 के समिति-पंजीयन-कानून के अधीन 11 सितम्बर, 1961 को संगीत नाटक अकादेमी का पंजीयन हुआ। अकादेमी के उद्देश्य तथा महासमिति, कार्यकारिणी

समिति और वित्त समिति के अधिकारों उद्देश्यों एवं कर्तव्यों का उल्लेख संगठन विषयक ज्ञापन तथा संगीत नाटक अकादेमी की नियमावली में किया गया है।

अकादेमी की सर्वोच्च सत्ता महासमिति में निहित है। कार्यकारिणी जिस पर अकादेमी के प्रबंध का भार है—अकादेमी के क्रियाकलापों का सामान्य निर्देशन, नियंत्रण तथा देख-रेख करती है।

वित्त-समिति का काम, कार्यकारिणी समिति को वित्तीय मामलों में सहायता देना है। वित्तीय सलाहकार इस समिति का पदेन अध्यक्ष होता है।

अकादेमी की महासमिति

31 मार्च, 1969 को महासमिति के जो सदस्य थे, उनके नामों की सूची परिशिष्ट 1 में दी गयी है।

31 मार्च, 1969 को अकादेमी की कार्यकारिणी समिति तथा वित्त-समित्ति में निम्नलिखित सदस्य थे :

कार्यकारिणी समिति

श्रीमती इन्दिरा गांधी
श्री के० पी० एस० मेनन
श्री एम० एस० नादकर्णी
श्री एस० चक्रवर्ती
डा० वी० एस० झा
डा० वी० के० नारायण मेनन
श्री एस० एन मजुमदार
डा० वी० राघवन
श्रीमती मृणालिनी साराभाई
श्री रामधारी सिंह दिनकर
स्वामी प्रज्ञानानन्द
श्री शम्मु मित्र

श्री आद्य रंगाचार्य
श्री कोमल कोठारी

वित्त-समिति

श्री एम० एस० नादकर्णी (अध्यक्ष)
श्री जगदीशचन्द्र माथुर
श्री एस० एन० मजुमदार
डा० वी० के० नारायण मेनन

अकादेमी के अधिकारी

31 मार्च, 1969 को अकादेमी के जो पदाधिकारी थे उनके नाम इस प्रकार हैं :

अध्यक्ष—श्रीमती इन्दिरा गांधी
उपाध्यक्ष—श्री के० पी० एस० मेनन
वित्तीय सलाहकार—श्री एम० एस० नादकर्णी
सचिव—डा० सुरेश अवस्थी

बैठकें

इस वर्ष महासमिति की बैठक 16 नवम्बर, 1968 को हुई।

कार्यकारिणी की चार बैठकें हुईं—13 मई, 1968, 15 नवम्बर, 1968, 24 फरवरी, 1969 तथा 29 मार्च, 1969 को।

वित्त-समिति की बैठकें 19 जून, 1968 तथा 25 अक्तूबर, 1968 को हुई।

रत्न-सदस्य

श्री कालीचरण पटनायक को इस वर्ष का रत्न-सदस्य चुना गया।

1968 में अकादेमी पुरस्कार

निम्नलिखित कलाकारों को 1968 में अकादेमी पुरस्कार के लिए चुना गया :—

संगीत

श्रीमती मोगूबाई कुर्डीकर	हिन्दुस्तानी गायन
उस्ताद मुश्ताक अली खां	हिन्दुस्तानी वादन (सितार)
श्री आलत्तूर एस० श्रीनिवास अय्यर	कर्नाटक गायन
प्रो० के० शिवराम नारायणस्वामी	कर्नाटक वादन (वीणा)

नृत्य

श्री चिन्ता कृष्णमूर्ति	नृत्य गुरू-कुचिपुडि
श्रीमती दमयन्ती जोशी	कत्थक
श्रीमती कमला	भरतनाट्यम
श्री कुंजन जी० पणिक्कर (कुरिचि कुंजन पणिक्कर)	कथकलि

नाटक

श्री बादल सरकार	नाट्य-लेखन (बंगला)
श्री मोहन राकेश	नाट्य-लेखन (हिन्दी)
प्रो० जसवन्त ठाकर	अभिनय (गुजराती)
स्व० श्री फणि भूषण विद्याविनोद	अभिनय (लोक रंगमंच-जात्रा)

पुरस्कार वितरण समारोह

1968 का पुरस्कार-वितरण समारोह 25 फरवरी, 1969 को रवीन्द्र भवन,

नयी दिल्ली में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर भारत के राष्ट्रपति, जिन्हें समारोह की अध्यक्षता करनी थी अस्वस्थ होने के कारण न आ सके, अतः उनकी अनुपस्थिति में उपराष्ट्रपति श्री वी० वी० गिरि ने पुरस्कार प्रदान किये। इस वर्ष की एक विशेषता यह रही कि कलाकारों को 5000 रु० के नकद पुरस्कार प्रथम बार प्रदान किये गये इस अवसर पर अकादेमी ने संगीत, नृत्य एवं नाटकों के सप्त-दिवसीय समारोह का आयोजन किया। इन कार्यक्रमों में पुरस्कार प्राप्त कलाकारों ने भाग लिया। (देखिए विवरण पृष्ठ 15 पर)

सम्मानित एवं पुरस्कृत व्यक्तियों की सूची

इस सूची में (देखिए परिशिष्ट 2) संगीत, नाटक तथा नृत्य के क्षेत्रों में रत्न-सदस्यता तथा पुरस्कार प्राप्त करने वाले कलाकारों के नाम दिये गये हैं।

पुस्तकालय तथा संगीत-श्रवण-कक्ष

1968-69 के वर्ष में, अंग्रेजी तथा अन्य भारतीय भाषाओं में प्रकाशित 401 नई पुस्तकें प्राप्त की गईं। इनमें से 321 पुस्तकें खरीदी गईं तथा 80 पुस्तकें, प्रधान मंत्री के निजी संग्रह तथा अन्य व्यक्तियों तथा अन्य संस्थाओं के उपहार-स्वरूप प्राप्त हुईं। पत्रिकाओं तथा समाचार-पत्रों की कतरनों का संचयन भी जारी रहा।

डिस्क रिकार्ड संग्रहालय, जो अकादेमी की एक अत्यन्त मूल्यवान सेवा है, प्रति वर्ष प्रगति कर रहा है। 1968-69 में 255 रिकार्ड खरीदे गये, 11 रिकार्ड विभिन्न दूतावासों तथा व्यक्तियों से उपहार-स्वरूप प्राप्त हुए। अकादेमी ने प्रारंभकालीन 30 वर्ष तथा 40 वर्ष के दौरान के पुराने संगीत कलाकारों (मास्टरों) के 227 (78 आर० पी० एम०) रिकार्ड भी प्राप्त किये हैं जो डिस्क रिकार्ड संग्रहालय के लिए मूल्यवान अभिवृद्धि है।

अकादेमी के पुस्तकालय का उपयोग आम जनता के लिए व्यापक रूप से सुलभ

रहा है। पुस्तकालय, संगीत, नृत्य तथा नाटकों के क्षेत्रों में भारतीय तथा विदेशी अनुसंधान-विद्यार्थियों के लिए संदर्भ की दृष्टि से विशेष उपयोगी सिद्ध हुआ है।

श्रवण-कक्ष से संगीत विद्वानों तथा विद्यार्थियों ने बहुत लाभ उठाया है।

रिकार्डिंग स्टुडियो

अकादेमी के पास आवश्यक उपकरणों से युक्त एक रिकार्डिंग स्टूडियो है। इसमें जुलाई 1966 से नियमित रूप से संगीत रिकार्ड करने का काम शुरू हो गया है। स्टूडियो के कारण अकादेमी को शास्त्रीय और लोक संगीत व्यवस्थित ढंग से रिकार्ड करने के कार्यक्रम में बहुत सफलता मिली है। सांस्कृतिक संस्थाओं और अन्य कलाकारों को भी इस स्टूडियो की सुविधा प्राप्त है, और इसके लिए उनसे 30 रुपए प्रति घण्टे के हिसाब से फीस ली जाती है। इसके अतिरिक्त संगीत संस्थाओं को अकादेमी के संग्रह से संगीत की प्रतिलिपि देने की व्यवस्था है। अनेक व्यक्तियों तथा संस्थाओं को इन सुविधाओं से लाभ प्राप्त हो रहा है।

इस वर्ष शास्त्रीय संगीत रिकार्ड करने से संबद्ध अकादेमी के नियमित कार्यक्रम के अतिरिक्त लोक संगीत, आदिवासी संगीत और नाट्य-संगीत के भी टेप तैयार किये गये जो अकादेमी के टेप संगीत संग्रहालय में रखे हैं। अकादेमी, देश के विभिन्न भागों के दुर्लभ और विशिष्ट प्रकार के संगीत, नृत्य और नाटकों के प्रदर्शन का भी आयोजन करती है। इन सब कार्यक्रमों में संगीत का व्यवस्थित रिकार्ड किया जाता है।

इस वर्ष निम्नलिखित महत्वपूर्ण कार्यक्रमों को रिकार्ड किया गया :—

(क) शास्त्रीय संगीत

अलात्तूर श्री एस० श्रीनिवास अय्यर—कंठ संगीत (कर्नाटिक)—$1\frac{1}{2}$ घं०
के० एस० नारायण स्वामी—वीणा (कर्नाटिक) 2 घं०

श्रीमती मोगू बाई कुर्डीकर—कंठ संगीत (हिन्दुस्तानी)	2½ घं०
श्री मुश्ताक अली खां सितार (हिन्दुस्तानी)	2 घं०
पंडित सियाराम तिवारी—कंठ संगीत-धुपद (हिन्दुस्तानी)	2 घं०

(ख) लोक संगीत

राजस्थान का लोक संगीत	90 मि०
कश्मीर, जम्मू, गुजरात और राजस्थान का लोक संगीत— (लोक वाद्य-प्रदर्शन के समय रिकार्ड किया गया लोक-संगीत)	6 घं०
मथुरा का लोक संगीत : गाथा-गीत 'ढोला' हरगोविन्द तथा उनकी मंडली द्वारा—	20 घं०

(ग) लोक रंगमंचीय संगीत

राजस्थान का ख्याल—'ढोला मारू' दूलजी खिलाड़ी तथा उनकी मंडली द्वारा	2 घं०
तमिलनाडु का तेरुकुत्तू (नटेशनम्बिरन तथा उनकी मंडली)	2 घं०
मथुरा की रासलीला (हरगोविन्द तथा उनकी मंडली)	2 घं०
अमर सिंह राठौर (कठ्पुतली-नाटक)	1½ घं०

(घ) अन्य संगीत

पारसी रंगमंचीय संगीत—गंगाप्रसाद पाठक	2½ घं
कत्थक नृत्य संगीत—(प्रदर्शन सहित) शंभु महाराज	1½ घं०

संस्थाओं को वित्तीय सहायता

अकादेमी ने संगीत, नृत्य तथा नाटक के क्षेत्र में काम करने वाली विभिन्न संस्थाओं को 1968-69 में वित्तीय सहायता देना जारी रखा। 1968-69 में जिन

संस्थाओं को अनुदान दिये गये उनके नाम, रकम तथा अनुदान का उद्देश्य—इन सब बातों की सूची परिशिष्ट 3 में दी गई है।

इसके अतिरीक्त उपाध्यक्ष के विशेषाधिकार से 13,000 रुपये का अनुदान विशिष्ट कार्यों के लिए दिया गया। अनुदान की यह राशि, 'कालिय दमन, कठ-पुतली अभिनय की तैयारी में, नाटकों की नई पोशाक खरीदने, वाद्य-यंत्रों के खरीदने, यांत्रिक तानपूरे के विकास करने, वैशाली समारोह का संगठन करने तथा मोहिनी अट्टम तथा अन्य विषयों पर अनुसंधान सामग्री के संग्रह करने में खर्च की गई।

प्रकाशन

अकादेमी का एक मत्हवपूर्ण कार्य भारत की सभी भाषाओं में संगीत, नृत्य और नाटक से सम्बद्ध साहित्य के प्रकाशन को प्रोत्साहन देना है। ऐसी पुस्तकों का प्रकाशन या तो अकादेमी स्वयं करती है अथवा इस कार्य के लिए समुचित वित्तीय सहायता ग्रन्थकार को वित्तीय सहायता देने के लिए अकादेमी उनसे पुस्तकों की पर्याप्त संख्या खरीदती भी है। ये खरीदी हुई पुस्तकें सांस्कृतिक संस्थाओं तथा पुस्तकालयों को वितरित की जाती हैं। इन विषयों की पत्रिकाओं को भी अकादेमी आर्थिक्र सहायता देती है।

प्रकाशनों के लिए वित्तीय सहायता, इसी उद्देश्य से बनाये गये नियमों के अधीन दी जाती है। प्रकाशन अनुदान के आवेदनों पर सर्वप्रथम प्रकाशन समिति विचार करती है। इस समिति के निम्नलिखित सदस्य हैं :

श्री के० पी० एस० मेनन (अध्यक्ष)
डा० वी० राघवन
श्री अशोक मित्र
डा० महेश्वर नियोग
डा० के० सी० डी० वृहस्पति
स्वामी प्रज्ञानानन्द
श्री ए० रामाकृष्णराव

प्रकाशन समिति की सिफारिशों पर अकादेमी की कार्यकारिणी समिति विचार करती है।

अनुदान

आलोच्य वर्ष में अकादेमी ने प्रकाशन के लिए निम्नलिखित अनुदान स्वीकृत किये—

(1) 1000 रुपए श्यामशास्त्रुलावरी रचनालु के प्रकाशन के लिए-लेखक, एन० सी० पार्थसारथी

(2) 3000 रुपए संगीत अकादेमी, मद्रास की संगीत पत्रिका के लिए
(3) 1500 रुपए 'अनैक्त' पत्रिका के लिए
(4) 1500 रुपए बंगला में 'विश्ववीणा' संगीत पत्रिका के लिए
(5) 2000 रुपए संगीत कला विहार संगीत पत्रिका के लिए

अकादेमी ने निम्नलिखित पुस्तकें खरीदीं—

उत्कल संगीत पद्धति श्याम सुन्दर धीर	50 प्रतियां
हरिदास कीर्तन सुधा सागर पं० एन० चन्ना केशवीय	100 प्रतियां
राग चित्र कालीचरण पटनायक	20 प्रतियां
भारतीय नाट्य परंपरा और अभिनय दर्पण वाचस्पति गोइराला	25 प्रतियां
एन्थोलाजी ऑफ फोक म्यूज़िक एंड फोक लोर अंक— 1	50 प्रतियां
ए मोनोग्राफ आन भरता नाट्य शास्त्र	50 प्रतियां
तेलुगु ड्रामा	25 प्रतियां

आर्थिक सहायता से निम्नलिखित पुस्तकें प्रकाशित की गईं :—

रंगमंच—ले० बलवन्त गार्गी, प्रकाशक-राजकमल, दिल्ली	25 रुपए

भारतीय शास्त्रीय संगीत में रवीन्द्रनाथ का स्थान
श्रीमती अनिता सेन 2 रुपए

अकादेमी द्वारा दी गई सहायता तथा मुद्रणाधीन प्रकाशन निम्नलिखित है --

कुचिपुडि एण्ड टेम्पल रिदमज ऑफ आन्ध्र
लेखक सी० आर० आचार्युलु 12 रुपए

श्याम शास्त्रुलावरी रचनालु लेखक एन० सी० पार्थसारथी

कुढा नूल - अंक 1 लेखक एस० डी० सुब्रह्मण्य योगी

अकादेमी के प्रकाशन

इस वर्ष अकादेमी ने निम्नलिखित पुस्तकें छपवाईं—

1. ए कैटालॉग आफ इंडियन फोक म्यूजिकल इन्स्ट्रूमेंट्स
2. क्लासिकल इंडियन डांस इन लिटरेचर एण्ड आर्ट्स : लेखक—डा० कपिला वात्स्यायन
3. हूईज़ हू ऑफ इंडियन म्यूजिशियन्स
4. अकादेमी जर्नल और न्यूज़ बुलेटिन

संगीत नाटक अकादेमी की त्रैमासिक पत्रिका "संगीत-नाटक" प्रत्येक मार्च, जून, सितम्बर तथा दिसम्बर में निकलती है; आलोच्य वर्ष में 7 से 10 तक चार अंक निकाले।

अकादेमी का समाचार बुलेटिन नियम से दो मास में एक बार निकलता है। मद्रास तथा बंबई में दो संवाददाता नियुक्त किये गये हैं जो क्षेत्री कलात्मक गतिविधियों के समाचार भेजते हैं।

प्रस्ताविक प्रकाशन

अकादेमी ने जिन प्रकाशनों को अपने हाथ में लेने का प्रस्ताव किया उनमें से कुछ निम्नलिखित हैं—

1. टेगोर थियेटर्स—ए हैंडबुक
2. गीत गोविन्द—ए सिम्पोज़ियम

3. ऐन आल इंडिया कलेण्डर ऑफ फेस्टीवल्स ऑफ म्यूजिक, डांस एण्ड ड्रामा

इन तीनों पुस्तकों की सामग्री एकत्रित कर ली गई है और अब इनका सम्पादन हो रहा है।

यदि धन की व्यवस्था हो गई, तो इन पुस्तकों का प्रकाशन इसी वर्ष हो जायेगा।

दुर्लभ पुस्तकें

अकादेमी ने संगीत, नृत्य तथा नाटक विषयक दुर्लभ तथा अप्राप्त पुस्तकों की एक सूची बनाई है। अकादेमी का विचार है कि इन पुस्तकों को एक निश्चित योजना के अनुसार फिर से छपवाये। इस योजना के अनुसार ऐसी 5 या 6 पुस्तकें प्रतिवर्ष पुनमुद्रित की जायेंगी। अब तक इस योजना को धनाभाव के कारण हाथ में नहीं लिया जा सका, परन्तु आशा है कि शीघ्र ही इन पुस्तकों को प्रकाशित किया जा सकेगा।

इस वर्ष पुस्तकों की बिक्री में पर्याप्त प्रगति हुई है। अकादेमी के पास जो पुस्तकें बिक्री के लिए हैं, उनकी सूची परिशिष्ठ 4 में है।

अकादेमी की गतिविधियाँ

श्री त्यागराज समारोह

त्यागराज की रचनाओं की प्रतियोगिता

1 से 4 मई, 1968

त्यागराज की द्विशतवार्षिकी समारोह के सिलसिले में अकादेमी ने वीणा, वायलिन तथा कंठ-संगीत में त्यागराज की रचनाओं की प्रतियोगिता की व्यवस्था की। इस प्रतियोगिता में दिल्ली के 40 युवा कलाकारों ने भाग लिया। इन कलाकारों

के दो दल थे—एक तो 15 से 25 वर्ष की आयु वालों का तथा दूसरा 15 से कम आयु वालों का। प्रतियोगिता में भाग लेने वालों को पुरस्कार दिये गये।

लोक नाटकों का समारोह

16 मई से 19, मई 1968

विभिन्न क्षेत्रों के दुर्लभ तथा विशिष्ट प्रकार के लोक नाटक, संगीत तथा नृत्य रूपों को प्रस्तुत करने के कार्यक्रमों के सिलसिले में अकादेमी ने लोक नाटकों के एक समारोह का आयोजन किया। इस समारोह में दूल जीखिलाड़ी तथा उनकी मंडली ने 'ढोला मारू' तथा अन्य ख्याल नाटकों के अंशो का प्रदर्शन किया। राजस्थान में इस नाटय शैली का प्रचलन है। नटेश तम्बिरान तथा उनकी मंडली ने तेरुकुत्तू में "प्रहलाद चरितम्" तथा "द्रोपदी वस्त्रापहरणम्" प्रदर्शन किया। तेरुकुत्तू तमिल-नाडु की विशिष्ट नाटक शैली है। ख्याल तथा तेरुकुत्तू शैली का प्रदर्शन राजधानी में प्रथम बार हुआ। रवीन्द्र भवन के खुले मैदान में इन प्रदर्शनों का आयोजन किया गया।

प्रदर्शनी तथा विचारगोष्ठियाँ

17 जुलाई से 20 जुलाई, 1968

संगीत नाटक अकादेमी ने सोशलिस्ट रिपब्लिक ऑफ रूमानिया के दूतावास के सहयोग से रूमानिया के रंगमंचीय कला के चित्रों की प्रदर्शनी का आयोजन किया। अकादेमी के उपाध्यक्ष श्री के० पी० एस० मेनन ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर रूमानिया की लोक संस्कृति पर आधारित फिल्मों को भी दिखाया गया। यह प्रदर्शनी चार दिनों तक खुली रही।

15 नवम्बर से 22 नवम्बर, 1968

अकादेमी ने रवीन्द्र भवन दीर्घा में, लोक तथा आदिवासियों में प्रचलित लगभग 400 वाद्य-यन्त्रों की प्रदर्शनी का आयोजन किया। (देखिए पृष्ठ 16)

प्रदर्शनी के साथ ही द्वि-दिवसीय विचार-गोष्ठी का भी आयोजन किया गया, जिसमें समस्त देश के 40 संगीत-शास्त्रियों ने भाग लिया। गोष्ठी में लोक वाद्य-यन्त्रों की रक्षा तथा उनके विकास से सम्बन्धित अनेक समस्याओं पर विचार-विमर्श किया गया।

23 मार्च से 30 मार्च, 1969

अकादेमी ने सोवियत-रंगमंच सम्बन्धी चित्रों की एक प्रदर्शनी की व्यवस्था की भारत सरकार तथा रूस के मध्य सांस्कृतिक-विनिमय कार्यक्रम के अन्तर्गत आयोजित इस प्रदर्शनी का उद्घाटन राज्य-शिक्षा मंत्री, श्री भक्तदर्शन ने किया।

गायन तथा संगीत गोष्ठियाँ

12 सितम्बर, 1968

शिक्षा मंत्रालय के सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम के अन्तर्गत अकादमी के तत्त्वाधान में यू० एस० एस० आर०, मंगोलिया, पोलैंड, तथा जी० डी० आर० की यात्रा पर जाने वाले कलाकारों ने शास्त्रीय नृत्य तथा संगीत का एक कार्यक्रम सप्रू हाउस में प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले कलाकार थे, श्री सोनल मान सिंह (ओडिसी), कुमारी पद्मा (भरतनाट्यम) तथा जया विश्वास (सितार)।

6 अक्तूबर, 1968

शिक्षा मंत्रालय के सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम के अन्तर्गत अकादेमी ने, बल्गारिया यूगोस्लाविया तथा हंगरी की यात्रा पर जाने वाले प्रतिनिधि मंडल के कलाकारों को रवीन्द्र भवन के खुले मैदान में संगीत तथा नृत्य के एक कार्यक्रम में प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम में सराइकेला छाऊ नृत्य, कर्नाटक संगीत चित्ती बाबू (वीणा), टी० एन० कृष्णन (वायलिन), वेल्लोर रामभद्रन (मृदंगम्), अलगुडी रामचन्द्र (घटम्), एम० एम० मंदस्वामी पिल्लै (कंजीर), के० गोपाल (तम्बूर) तथा माणिक वर्मा का हिन्दुस्तानी संगीत प्रस्तुत किया गया।

15-16 नवम्बर, 1968

लोक संगीत-वाद्यों के प्रदर्शन के साथ-साथ अकादेमी ने संगीत-गायन के द्वि दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में जम्मू और काश्मीर, राजस्थान, उड़ीसा, उत्तर प्रदेश तथा केरल की लोक संगीत-मंडलियों ने भाग लिया।

16 फरवरी, 1969

अकादेमी ने अखिल भारतीय गालिब शताब्दी समिति के सहयोग से मिर्जा गालिब की पुण्य स्मृति में ग़ज़लों के गायन तथा नृत्य का एक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

25 फरवरी, 1969

वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह, रविन्द्र भवन, नयी दिल्ली में सम्पन्न किया गया। पुरस्कार प्रदान के पश्चात् श्रीमती कमला ने भरतनाट्यम प्रस्तुत किया।

25 फरवरी से 3 मार्च, 1969

अकादेमी के वार्षिक पुरस्कार-वितरण समारोह के अवसर पर संगीत, नृत्य तथा नाटकों का सप्त-दिवसीय समारोह आयोजित किया गया। इस वर्ष सम्मानित किये गये कलाकारों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। ये कार्यक्रम आम जनता के लिए खुले थे और प्रतिदिन तीन-चार हजार दर्शक इनमें सम्मिलित हुए। (देखिए पृ० 15)।

व्याख्यान प्रदर्शन

2 मई, 1968

अकादेमी ने, कत्थक नृत्य में अकादेमी पुरस्कार विजेता श्री लच्छू महाराज द्वारा एक वार्ता प्रदर्शन का आयोजन किया।

11 जनवरी, 1969

अकादेमी ने, 'मोहिनी अट्टम : स्वरूप तथा तकनीक और विकास की दिशा' विषय पर श्रीमती कनक रेले द्वारा सोदाहरण वार्ता का आयोजन किया ।

28 जनवरी, 1969

अकादेमी ने, काथकलि के अन्तर्राष्ट्रीयकेन्द्र के सहयोग से 'मोहिनिअट्टम' पर केरल कला मंडलम के अध्यक्ष श्री एम० के० के० नय्यर द्वारा एक व्याख्यान का आयोजन किया ।

संगीत नृत्य समारोह

वार्षिक पुरस्कार वितरण के अवसर पर अकादेमी ने संगीत नृत्य नाटक के एक सप्त-दिवसीय समारोह का आयोजन किया । इस कार्यक्रम में जिन कलाकारों ने भाग लिया वे इस वर्ष के पुरस्कार विजेता थे । यह समारोह वार्षिक पुरस्कार वितरण की विशिष्टता और राजधानी में एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक घटना बन गया हैं । इस समारोह के प्रति जनता ने बड़ा उत्साह प्रकट किया तथा हजारों की संख्या में उपस्थित होकर अपनी अभिरुचि का परिचय दिया । ये सभी कार्यक्रम रवीन्द्र भवन के खुले मैदान में विस्तृत शामियाने के नीचे आयोजित किये गये, और दिल्ली के लगभग २० हजार दर्शकों ने इसमें भाग लिया । यह समारोह ऊंचे स्तर का था तथा कला-संबंधी विविधता के कारण बहुत महत्वपूर्ण था । इस समारोह में प्रस्तुत किये गये कार्यक्रमों की दैनिक सूची निम्नलिखित है :

25 फरवरी	श्रीमती कमला (भरतनाट्यम)
26 फरवरी	श्रीमती मोगूबाई कुर्डिकर (गायन)
	अलात्तुर श्री एस० श्रीनिवास अय्यर (गायन)
27 फरवरी	श्री मुश्ताक अली खां (सितार)
	श्रीमती दमयन्ती जोशी (कत्थक)
28 फरवरी	प्रो० के० एस० नारायणस्वामी (वीणा)

	कुमारी लंका अन्नपूर्णा देवी (कुचिपुडि) श्री कुरिचि कुंजन पणिक्कर (कथकलि)
1 मार्च	प्रो० जसवन्त डी. ठाकर, गुजराती नाटक "रैंगडी ज्यारे जागे छी" में श्रीमती संयुक्ता पाणिग्रही (उड़ीसी)
2 मार्च	हिन्दी नाटक "आधे-अधूरे" लेखक श्री मोहन राकेश तथा प्रस्तुतकर्ता दिशान्तर, नई दिल्ली.
3 मार्च	बंगला नाटक "बाकी इतिहास" लेखक श्री बादल सरकार तथा प्रस्तुतकर्त्ता 'बहुरूपी, कलकत्ता
4 मार्च	बंगला नाटक "बाकी इतिहास" का पुनप्रदर्शन

लोक संगीत वाद्य-यन्त्रों की प्रदर्शनी

15 नवम्बर से २२ नवम्बर (1968) तक वाद्य-यन्त्रों की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में लोक तथा आदिवासी लगभग 400 वाद्य-यंत्र प्रदर्शित किए गए। इस प्रदर्शन का मुख्य उद्देश्य लोक तथा आदिवासी वाद्य-यन्त्रों की विविधता और समृद्धि दिखाना तथा उनके विकास से सम्बन्धित समस्याओं पर प्रकाश डालना था। प्रदर्शनी का उद्घाटन शिक्षा मंत्री, डा० त्रिगुण सेन ने किया। प्रदर्शनी की साज-सज्जा श्रीमती रीता कोठरी ने की। जनता तथा समाचार-पत्रों ने इस प्रदर्शनी की बहुत सराहना की। एकत्रित किये गये वाद्य-यन्त्र, अब अकादेमी की स्थायी वाद्य-वीथिका में सुरक्षित है, जिसका विस्तार अकादेमी की एक योजना के अधीन किया जा रहा है।

प्रदर्शनी में प्रदर्शित वाद्य-यन्त्रों के विषय में तकनीकी विवरण सहित एक सूची-ग्रंथ प्रकाशित किया गया। इसमें, देश भर में प्रचलित लोक वाद्य-यन्त्रों की एक सूची तथा अन्य विविध लाभदायक सूचनाओं का समावेश है। इस सूची-पुस्तिका में वाद्ययंत्रों तथा वादकों के लगभग ६० फोटोग्राफ भी हैं।

प्रदर्शनी के अवसर पर, केरल, जम्मू और कश्मीर, राजस्थान, उड़ीसा, तथा उत्तर-प्रदेश की लोक संगीत मंडलियों द्वारा प्रस्तुत संगीत के द्वि-दिवसीय कार्यक्रम

का भी आयोजन, रवीन्द्र भवन में 15 तथा 16 नवम्बर को किया गया। गायन का यह कार्यक्रम आम जनता के लिए खुला था।

लोक संगीत वाद्ययंत्रों पर विचार-गोष्ठी

अकादेमी ने लोक संगीत-वाद्ययंत्रों की प्रदर्शनी के साथ एक द्वि-दिवसीय विचार गोष्ठी का आयोजन किया। इस गोष्टी में लोक संगीत वाद्ययंत्रों के वैज्ञानिक अध्ययन, संरक्षण तथा विकास से सम्बन्धित समस्याओं पर गंभीर विचार-विमर्श किया गया। इस विचार-गोष्टी में देश भर से विशेषज्ञों और प्रेक्षकों ने भाग लिया।

प्रस्तुत किये गये प्रबंधों में से कुछ निम्नलिखित हैं—

(1) प्रो० शंभुमूर्ति : 'दक्षिण भारत के लोक वाद्य यंत्र' (2) श्री वी० के० मिश्र "भारतीय लोक वाद्य यंत्र तथा उनके पुनरुद्धार तथा विकास की समस्याएँ," (3) अनिल विश्वास : वाद्ययंत्रों का एक पहलू" (4) प्रो० अंतशर लोबो : "गोवा के लोकवाद्ययंत्र तथा लयात्मकता सिद्धाँत", (5) प्रो० जी० एच० तालेकर : "महाराष्ट्र के कुछ लोक सगीत वाद्य यंत्र तथा आदिवासी संगीत" (6) श्री ए० बी० दोषी "शास्त्रीय वाद्ययंत्रों के मूल में लोक वाद्ययंत्र, (7) श्री मोहनलाल ऐमा : "कश्मीर का संगीत"।

लोक संगीत वाद्य यत्रों के वैज्ञानिक अध्ययन, अनुसंधान संरक्षण तथा विकास की समस्याओं के विविध पहलुओं पर विस्तृत विचार विमर्श करने के बाद, विचार गोष्ठी ने कुछ सुझाव तथा सिफारिशें प्रस्तुत कीं। ये सुझाव हैं :

1. इतिहास काव्यों, महाकाव्यों, धार्मिक ग्रंथों, शब्द-कोषों तथा अन्य साहित्यिक स्रोतों से वाद्य-यंत्र शब्दावली का संचय किया जाय।

2. संगीत वाद्य-यंत्रों का सही नाम निर्धारित किया जाय तथा विशिष्ट क्षेत्र के साहित्य संदर्भ से उस नाम की तुलना की जाय। एक ही वाद्य यंत्र के विभिन्न प्रचलित नामों का पता लगाया जाय तथा वाद्य-यंत्रों के स्थानांतरण का भी निर्धारण किया जाय।

3. वाद्य यंत्रों के वैज्ञानिक अध्ययन के लिए समुचित योजनाएं बनाई जायें।

वाद्ययंत्रों के नामों, उनके आकार, स्वरूप तथा उनके बजाने के तरीकों का साहित्यक संदर्भों तथा चित्र स्रोतों से सत्यापन किया जाय ।

4. अकादेमी ने देश भर से लगभग 400 वाद्य यंत्रों का संग्रह किया है तथा और आगे भी इस संग्रह में वृद्धि की जा रही है । अतः अकादेमी को चाहिए कि वह वाद्य-यंत्रों की एक दीर्घा तैयार करे । एक और सुझाव दिया गया कि प्रत्येक वाद्य-यत्र को टेप रिकार्ड किया जाय, तथा प्रत्येक वाद्य-यंत्र का सामान्य तथा वादन अवस्था का फ़ोटोग्राफ लिया जाय । इनकी फिल्म पट्टियां भी तैयार की जायं ।

5. एक यह सुझाव भी दिया गया कि चूंकि संगीत के क्षेत्र में बाहर के देशों का बराबर प्रभाव पड़ता रहा है और उन प्रभावों से हमारे संगीत में परिवर्तन भी हुए हैं, अतः पड़ौसी देशों से विशेषकर जिन देशों से हमारा संगीतगत सम्बन्ध रहा है, वहाँ से भी वाद्य यंत्र मंगाए जाए और तुलनात्मक अध्ययन किया जायं । इस बात का भी निर्धारण किया जाय कि संगीत के क्षेत्र में विनिमय का स्वरूप क्या रहा है ।

6. विभिन्न देशों, विशेषकर एशियाई तथा अफ्रीकी देशों के साथ साँस्कृतिक विनिमय समझौतों के अन्तर्गत वाद्य-यत्रों का विनिमय-भी सम्मिलित किया जाय ।

7. अकादेमी की ओर से क्षेत्रीय आधार पर चुने हुए लोक संगीत का संचय किया जाना चाहिए तथा इसे सुनने के लिए विशेषज्ञों और संगीत शास्त्रियों को निमंत्रित किया जाना चाहिए ।

8. दूर्लभ वाद्य-यंत्रों के निर्माण का कार्य भी अकादेमी अपने हाथों में ले ताकि इन यंत्रों को संगीत अकादेमियों, विश्वविद्यालयों तथा संगीत संस्थाओं को उपलब्ध किया जा सके ।

9. वाद्य प्रदर्शनी को कलकत्ते, बम्बई, मद्रास, तथा हैदराबाद जैसे बड़े नगरों में भी ले जाया जाय ।

10. एक प्रायोजना के अन्तर्गत मंदिरों में उत्कीर्ण वाद्ययंत्रों का प्रलेखन तथा अध्ययन किया जा सके ।

11. अकादेमी की ओर से प्रामाणिक तथा दुर्लभ लोक संगीत के रिकार्ड तैयार किये जायं ।

योजना-गत कार्यक्रम

चतुर्थ पंचवर्षीय योजना के अधीन अकादेमी ने इस वर्ष कुछ परियोजनाओं पर कार्य आरम्भ किया था। ये परियोजनाएं निम्नलिखित हैं—

1. लोक संगीत, लोक नृत्य और लोक नाटय का सर्वेक्षण
2. अकादेमी संग्रहागार का विकास।
3. संगीत-विज्ञान में अनुसंधान।
4. संगीत तथा नृत्य के शिक्षकों को विशिष्ट प्रशिक्षण के लिए शिक्षावृत्ति।

समस्त योजनावधि के लिए 22.50 लाख रुपए की रकम निर्धारित की गयी थी। उपर्युक्त परियोजना के लिए 1968-69 के वर्ष में 2.00 लाख की व्यवस्था की गयी है। संशोधित प्रचलन में 1.30 लाख रुपयों की व्यवस्था की गयी थी, परन्तु वास्तविक व्यय 1,08,000 रुपए हुए।

दो परियोजनाओं पर भली प्रकार कार्य हो रहा है :

(1) लोक कथाओं का सर्वेक्षण तथा प्रलेखन।
(2) अकादेमी के संग्रहालय का विस्तार।

इन परियोजनाओं के अन्तर्गत किये गये कार्य का पूरा विवरण निम्नलिखित है।

(1) लोक कलाओं का सर्वेक्षण तथा प्रलेखन—

इस परियोजना के अधीन अकादेमी ने, संगीत, नृत्य तथा नाटक संबंधी पारंपरिक लोक कलाओं के व्यवस्थित तथा वैज्ञानिक प्रलेखन के कार्य को अपने हाथ में लिया है। समालोच्य वर्ष में परियोजना अधिकारी की नियुक्ति की गई तथा क्षेत्र कार्य को हाथ में लिया गया।

प्रथम बार यह काम उड़ीसा के मयूरभंज, संभलपुर तथा धेनकनाल के जिलों में किया गया इसके अन्तर्गत संथाल हो, ज्वाँग, भीयान तथा भूमिज आदि जन-जातियों को सम्मिलित किया गया। इस अवधि में लगभग 25 घंटे का आदिवासीय तथा लोक-संगीत रिकार्ड किया गया, तथा लगभग 200 फोटो लिये गये, तथा 2 घंटे की 16 मि० मी० की फिल्म तैयार की गई। इस फिल्म में इस क्षेत्र के लोक तथा जनजातीय नृत्यों को लिया गया है।

अकादेमी की आर्थिक सहायता से एक क्षेत्रीय संस्थान नैनीताल में एक लोक संगीत समारोह की व्यवस्था की। इस अवसर पर नैनीताल तथा अलमोड़ा जिलों का संगीत 6 घंटे का रिकार्ड किया गया।

नवम्बर के महीने में अकादेमी ने लोक संगीत के द्वि-दिवसीय समारोह की व्यवस्था की। इस समारोह पर केरल, उड़ीसा, गुजरात, जम्मू और कश्मीर, राजस्थान तथा उत्तर प्रदेश की लोक मंडलियों ने भाग लिया। स्टुडियो में लोक मंडलियों का 10 घंटे की अवधि का संगीत रिकार्ड किया गया।

दिसम्बर के महीने में मथुरा जिला में क्षेत्र-रिकार्डिंग का कार्य किया गया। रिकार्डिंग की अवधि लगभग 15 घंटे की थी। रास लीला के 60 फोटो चित्र लिये गये, तथा 16 मि० मी० की 8 मिनट की फिल्म भी तैयार की गई।

जनवरी के महीने में गणतन्त्र दिवस के अवसर पर जिन लोक मंडलियों ने भाग लिया उनमें से कुछ मंडलियों को फिल्म करने तथा रिकार्डिग के लिये चुना गया, तथा लगभग 100 फोटो चित्र लिये गये और 10 घंटे का संगीत रिकार्ड किया गया। इनमें से कुछ मंडलियां उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, गोआ, पांडेचेरी, उड़ीसा तथा केरल की थीं।

फरवरी के महीने में सर्वेक्षण एकक ने एक क्षेत्रीय उत्सव के अवसर पर हिमाचल प्रदेश के मंडी तथा कुल्लू जिलों के लोक संगीत का 3 घंटे का रिकार्ड तैयार किया। इसके बाद मार्च में एकक ने, राज्य अकादेमी द्वारा जम्मू में आयोजित संगीत समारोह में 6 घंटे का लोक संगीत रिकार्ड किया।

(2) अकादेमी संग्रहालय का विस्तार

अकादेमी के पास संगीत वाद्य यंत्रों की एक छोटी सी दीर्घा थी। इस परियोजना के अधीन समस्त देश से 300 से अधिक लोक तथा आदिवासी संगीत वाद्य यंत्रों का संग्रह किया गया। नवम्बर के महीने में विशेष रूप से आयोजित एक प्रदर्शनी में इन्हें दिखाया भी गया। अब यह प्रस्ताव है कि संगीत वाद्य यंत्रों की वर्तमान दीर्घा को पुनः संगठित किया जाय तथा इसमें लोक तथा आदिवासीय वाद्ययंत्रों की यथासंभव अधिकतम संख्या रखी जाय। इस वर्ष निम्नलिखित वस्तुएँ प्राप्त की गईं—

1.	कठपुतलियाँ	88
2.	चर्मपुतलियाँ	28
3.	काष्ठ निर्मित मुखौटे	10
4.	ज़री के मुखौटे	8
5.	पीतल के मुखौटे	3
6.	पेपरमेशे मुखौटे	121
7.	पौशाकें	एक सेट लामा मठीय-धार्मिक-नृत्य की पौशाक दो सेट, चौलियां नृत्य, नैनीताल की पोशाक के
8.	जड़ाऊ आभूषण	एक सेट, मैसूर के बायलट्टा का
9.	पुतले	3

मुखौटों का संग्रह योजनाबद्ध कार्यक्रम के अनुसार प्रगति पर है तथा 1969-70 के वर्ष के दौरान मुखौटों तथा पुतलिकाओं की प्रदर्शनी के आयोजन का प्रस्ताव किया गया है। विभिन्न शैलियों के मुखौटों तथा पुत्तलिकाओं के तैयार कराने के आदेश दे दिये हैं। इनमें पश्चिमी बंगाल की शाला पुतली जैसी विशिष्ट प्रकार की पुत्तलिकाएं होगी। महाराष्ट्र तथा असम से मुखौटे तथा केरल से शीश-सज्जा तथा मुकुट मंगवाने के भी आदेश दिये गये हैं।

(3) संगीत विज्ञान में अनुसंधान

आवश्यक वैज्ञानिक उपकरणों के अभाव के कारण इस परियोजना में कार्य नहीं हो सका। फिर भी संगीत विशेषाधिकारी ने राष्ट्रीय भौतिकी प्रयोगशाला में कुछ आरम्भिक कार्य किया है। आवश्यक उपकरणों के प्राप्त होते ही इस कार्य को विस्तार दिया जा सकेगा।

(4) संगीत तथा नृत्य में शिक्षकों को विशिष्ट प्रशिक्षण के लिए शिक्षा-वृत्ति

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, ने इस परियोजना को तैयार किया। इसके अन्तर्गत संगीत तथा नृत्य में विशिष्ट प्रशिक्षण के लिए शिक्षावृत्ति देने की व्यवस्था

है। चुने हुए वृत्तिधारियों को प्रख्यात गुरुओं के पास रखा जाएगा। चालू वर्ष में उच्च प्रशिक्षण के लिए ध्रुपद तथा वीणा (अथवा पखावज) को चुना गया। परन्तु यह परियोजना कार्यान्वित नहीं की जा सकी, क्योंकि ध्रुपद, पखावज तथा वीणा के लिए उपयुक्त उम्मीदवार नही मिल सके। शिक्षावृत्ति के लिये उपयुक्त उम्मीदवारों के चुनाव का प्रयत्न किया जा रहा है। यदि आवश्यक हुआ तो संगीत तथा नृत्य के अन्य क्षेत्रों में भी खोज की जायेगी।

सूचना सेवा

देश के विभिन्न भागों के बीच सांस्कृतिक सम्पर्क बढ़ाने और विदेशों के साथ भी संगीत, नृत्य और नाटक के क्षेत्र में सम्पर्क बढ़ाने के उद्देश्य से अकादेमी उन सब प्रश्नों का समुचित उत्तर देती है जो देश और विदेश की संस्थाएँ तथा व्यक्ति पूछते हैं। आलोच्य वर्ष में यह कार्य संगठित रूप से किया जाने लगा, और ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर देने के लिए एक "सूचना यूनिट" संगठित की गई।

इस वर्ष सूचना यूनिट ने विभिन्न राज्यों में संगीत, नृत्य और नाटक के प्रदर्शनों पर लगाये जाने वाले मनोरंजन कर के बारे में तथा राज्यों के सेंसर सम्बन्धी कानूनो के बारे में जानकारी एकत्र की। इस यूनिट ने राज्यों के रवीन्द्र थियेटरों का सर्वेक्षण और रंगमंच पर इनके प्रभाव के बारे में भी अध्ययन किया। अब इस विषय पर अकादेमी द्वारा नियुक्त एक उपसमिति विचार कर रही है। "रंगशाला निर्देशन पुस्तिका" के लिए अकादेमी विभिन्न राज्यों की रंगशालाओं के सम्बन्ध में टेक्निकल जानकारी एकत्र कर रही हैं।

सूचना यूनिट ने संगीत, नृत्य और नाटक समारोहों का तिथिपत्रक तैयार करने के लिए भी आवश्यक सामग्री जुटाई है। अकादेमी के समाचार बुलेटिन में नृत्य-संगीत समारोहों के तिथिपत्रक प्रकाशित किये गये हैं। अब संगीत, नृत्य तथा नाटकों के तिथिपत्रों का संकलन किया गया है, और यह प्रस्ताव है कि पहले इनकी साइक्लोस्टाइल प्रतियाँ निकाली जायं, और बाद में इन्हें पूरक सामग्री का समावेश करके प्रकाशित कर दिया जाय।

टैगोर रंगशालाओं से सम्बन्धित आंकड़े तैयार कर लिये गये हैं। अब यह विचार है कि इसे, उपसमिति की रिपोर्ट के साथ प्रकाशित कर दिया जाय।

टैगोर थियेटर्स समिति में निम्नलिखित सदस्य हैं—

श्री अशोक मित्र
श्री जगदीशचन्द्र माथुर
श्री शंभु मित्र
श्री ई० अल्काज़ी
श्री वलवन्त गार्गी
श्री हबीब तनवीर
डा० सुरेश अवस्थी

कुछ बड़े-बड़े नगरों के रंगमंचों के संबंध में भी आंकड़े एकत्रित किये गए हैं। अब यह सुझाव है कि देश में जितने भी नियमित रंगमंच हैं उन सबके विषय में भी इसी प्रकार के आँकड़े एकत्र किये जायें और फिर इस समस्त सामग्री को "स्टेजिंग फैसिलिटीज़ इन इंडिया"—ए हैंड बुक" के नाम से प्रकाशित किया जाय।

रंगमंच की तकनीकी शब्दावली

'ड्रामा पेनेल' की सिफारिश के अनुसार "वैज्ञानिक तथा तकनीकी पारिभाषिक शब्दावली आयोग, शिक्षा मंत्रालय" के सहयोग से एक सर्वांगपूर्ण अंग्रेजी हिन्दी रंग-मंच पारिभाषिक शब्दावली तैयार कर ली गई है। अब इस लगभग 2000 रंगमंचीय शब्दावली को साइक्लोस्टाइल करवाकर इसकी प्रतियां विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं के रंगमंच विशेषज्ञों को भेजी जायेंगी, तथा उनकी भाषाओं में जो पर्याय प्रचलित हैं उन्हें भेजने के लिए उनसे अनुरोध किया जायेगा। यह समस्त सामग्री जब संकलित कर ली जायेगी, तो एक बहुभाषीय रंगमंच पारिभाषिक शब्दावली प्रकाशित कर दी जायेगी।

संगीत, नृत्य तथा नाटक विषयक ग्रंथसूची

सूचना यूनिट, संगीत, नृत्य तथा नाटक विषयक, भारत की समस्त भाषाओं में कुछ चुने हुए ग्रन्थों की एक सूची का संकलन कर रहा है। रंगमंचीय कला विषयक लगभग 100 पुस्तकों की सूची तो, विभिन्न भाषाओं के रंगमंच-विशेषज्ञों की सहायता से संकलित कर ली गई है, यूनिट ने इसी प्रकार से संगीत तथा नृत्य सम्बन्धी ग्रन्थों की सूची भी तैयार कर ली है और अब इन्हें विशेषज्ञों के पास भेजा जा रहा है, ताकि वे अपने सुझाव तथा सम्मतियां भेजें। इन सुझावों तथा सम्मतियों के प्राप्त हो जाने पर इन ग्रन्थ-सूचियों को संशोधित करके अन्तिम रूप दे दिया जायगा। आशा है कि संगीत नृत्य तथा नाटक विषयक इस ग्रन्थसूची को आगामी वर्ष में प्रकाशित कर दिया जाय।

यूनिट ने रंगमंचीय कलाओं के संबंध में जो प्रथम ग्रन्थ सूची तैयार की थी' उसका उपयोग "इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ लायब्रेरी एसोसियेशन" नामक संस्था कर रही है। यह संस्था यूनेस्को के तत्वावधान में रंगमंच कला विषयक अंतर्राष्ट्रीय ग्रंथ सूची के भारतीय विभाग के लिए कार्य कर रही है।

तीन पैनलों की बैठकें

अकादेमी की कार्यकारणी समिति ने तीन पैनेल—संगीत, नृत्य तथा नाटक के लिए एक-एक पैनेल बनाये हैं। इन पेनलों के निम्नलिखित सदस्य हैं—

नाटक पैनेल

श्री अब्बूरी रामकृष्ण राव
श्री शंभु मित्र
श्री इ० अल्काजी
श्री डी० जी० नादकर्णी
श्री जगदीश चन्द्र माथुर
श्री शिव कपूर
डा० सुरेश अवस्थी (संयोजक)

संगीत पैनेल :

डा० वी० के० नारायण मेनन
डा० के० सी० डी० बृहस्पति
प्रो० बी० आर० देवधर
प्रो० एन० एस० रामचन्द्रन
मुसीरी श्री सुब्रह्मण्य अय्यर
डा० बी० सी० देव (संयोजक)

नृत्य पैनेल

डा० वी० राघवन
डा० कपिला वात्स्यायन
श्री के० पी० एस० मेनन
श्रीमती मृणालिनी साराभाई
श्री मोहन खोकर (संयोजक)

इन पैनलों के संगठित करने का उद्देश्य यह है कि वे कलाओं के तीनों क्षेत्रों—संगीत, नृत्य तथा नाटक—से सम्बन्धित कार्यक्रमों में अकादेमी को परामर्श दें। इन पैनलों की बैठकें क्रमशः 12 अक्तूबर, 1968, 26 अक्तूबर 1968 तथा 5 जनवरी 1969 को हुईं। नृत्य तथा नाटक के पैनलों ने यह सिफारिश की है कि अकादेमी के द्वारा अभी हाल में संगीत विषयक प्रकाशित 'परिचय पुस्तिका' के ढंग पर नृत्य तथा नाटक क्षेत्रों में भी कलाकारों से संबंधित परिचय पुस्तिकाएं तैयार की जायें : इन पैनलों ने, इन विषयों पर भारतीय भाषाओं में प्रामाणिक ग्रन्थों पर पुरस्कार वितरण संबंधीयोजना पर भी विचार-विमर्श किया तथा पुरस्कार संबंधी नियमों को अन्तिम रूप दिया।

नृत्य पैनेल ने यह भी सुझाव दिया कि संगीत-पारिभाषिक शब्दकोष के ढंग पर एक भारतीय-नृत्य शब्दकोष तैयार किया जाय।

राज्य-अकादेमियों के सचिवों का सम्मेलन

राज्य संगीत नाटक अकादेमियों के सचिवों की प्रथम बैठक रवीन्द्र भवन, नई दिल्ली में, 17 जुलाई, 1968 को हुई। इस सम्मेलन का संयोजन केन्द्रीय संगीत

नाटक अकादेमी ने किया तथा 11 राज्य अकादेमियों के सचिवों ने इसमें भाग लिया। इस सम्मेलन में निम्नलिखित राज्यों का प्रतिनिधित्व था : आसाम, उड़ीसा, पश्चिमी बंगाल, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, आंध्र प्रदेश, केरल, मैसूर, जम्मू और कश्मीर। यह सभा दो अधिवेशनों में सम्पन्न हुई—प्रातःकालीन अधिवेशन के सभापति थे केन्द्रीय नाटक अकादेमी के सचिव, डा० सुरेश अवस्थी, तथा अपराह्नकालीन अधिवेशन के सभापति थे, अकादेमी के उपाध्यक्ष श्री के. पी. एस. मेनन।

पहले अधिवेशन में भाग लेने वाले अतिथियों का स्वागत करते हुए सभापति ने राज्य-अकादेमियों के सचिवों के इस सम्मेलन को बहुत महत्वपूर्ण बताया। उनके अनुसार राज्य अकादेमियों का आपसी संबंध संवैधानिक तथा क्रियात्मक रूप में बहुत कमजोर है, इसलिए यह सम्मेलन उनके वर्तमान पारस्परिक संबंधों को अधिक सहयोग तथा सहकारिता के द्वारा सुदृढ़ तथा घनिष्ट बनाने में सहायक होगा। सभापति महोदय ने कहा कि केन्द्रीय अकादेमी, विभिन्न राज्य अकादेमियों में, संगीत, नृत्य तथा नाटक विषयक सूचनाओं तथा अन्य सामग्री के पारस्परिक आदान-प्रदान का कार्य करेगी तथा अन्य राज्य अकादेमियों के बीच संपर्क कड़ी बनकर सूचना वितरण केन्द्र का कार्य भी करेगी।

अध्यक्ष के उद्घाटन भाषण के बाद सचिवों ने अपनी अपनी अकादेमियों के क्रियाकलापों की संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा उन राज्यों में संगीत, नृत्य तथा नाटकों के क्षेत्र में जो सामान्य प्रवृत्ति है और जो समस्याएं हैं, उनका हवाला दिया। इन रिपोर्टों से बहुत जानकारी प्राप्त हुई और भावी विचार-विमर्श के लिए पृष्ठभूमि तैयार हुई। बातचीत के दौरान, राज्य अकादेमियों को अनुदान, सम्मिलित तत्वावधान में हाथ में ली जाने वाली प्रायोजनाओं का स्वरूप तथा सूचना विनिमय की पद्धति आदि से संबंधित अनेक प्रश्नों पर विचार-विमर्श किया गया।

केन्द्रीय अकादेमी के उपाध्यक्ष, श्री के. पी. एस. मेनन ने, जिन्होंने अपराह्न-कालीन बैठक का सभापतित्व किया, इस सम्मेलन के आयोजन के विचार का स्वागत किया और कहा कि इन प्रयत्नों से राज्य अकादेमियों के बीच अधिक सहयोग बढ़ेगा। उन्होंने आगे कहा कि इन परियोजनाओं के सम्मिलित क्रियान्वयन से तथा सूचना-विनिमय को बढ़ावा देकर राष्ट्रीय एकता की भावना को बहुत बल मिलेगा।

अकादेमी के सचिव ने प्रातःकालीन अधिवेशन की संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की। विस्तृत चर्चा के बाद निम्नलिखित सिफारिशें तथा सुझाव दिये गए :

(1) संस्थाओं को अनुदान

संगीत, नृत्य तथा नाटक के क्षेत्र में विभिन्न राज्यों में संस्थाओं को दिये जाने वाले अनुदान के विषय में यह निर्णय किया गया कि राज्य अकादेमियां अपने-अपने क्षेत्र में विभिन्न संस्थाओं के द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले ब्यौरों की उचित जांच-पड़ताल करेंगी तथा आवेदन-पत्रों को भेजने से पहले उनकी जांच तथा स्पष्ट सिफारिश करेंगी। यह भी स्पष्ट किया गया कि केन्द्रीय अकादेमी से वित्तीय सहायता के लिए बड़ी-बड़ी संस्थाओं की ही सिफारिश की जानी चाहिए। कुछ सदस्यों ने यह अनुभव किया कि यद्यपि अनुदान नियमों के अनुसार आवेदन-पत्र सम्बन्धित राज्य अकादेमी अथवा राज्य सरकार की मार्फत आने चाहिएं, तथापि कुछ संस्थाओं के आवेदन पत्र केन्द्रीय अकादेमी में सीधे आते रहे हैं, और केन्द्रीय अकादेमी उन पर कार्यवाही करती रही है। इस विषय में सदस्यों को यह बताया गया कि यह बहुत पहले से चलती आई हुई तथा सुव्यवस्थित परिपाटी है और अब इसे बदलना उचित नहीं होगा। कुछ संस्थाएँ, जो केन्द्रीय अकादेमी के पास सीधे आवेदन पत्र भेजती हैं, वे राष्ट्रीय महत्व की हैं, इसलिए यदि वे अपने आवेदनपत्र सीधे भेजती हैं, तो इसमें कोई अनौचित्य नहीं है। फिर भी सदस्यों ने कहा कि उनके विचार अनुदान समिति के सम्मुख प्रस्तुत कर दिए जाएं।

यह सुझाव भी दिया गया कि अनुदान के लिए आवेदन पत्र का उचित रूप से संशोधन किया जाय, तथा राज्य अकादेमियों द्वारा दिये जाने वाले आवेदन-पत्रों में कुछ परिवर्तन किया जाना चाहिए।

(2) अनुदान के लिए स्वीकार्य परियोजनाएं

सम्मेलन ने, केन्द्रीय अकादेमी से उचित अनुदान प्राप्त करने के लिए राज्य अकादेमी द्वारा प्रारम्भ की जाने वाली परियोजनाओं तथा कार्यक्रमों के संबंध में सामान्य सिद्धान्तों पर विचार किया। यह निर्णय किया गया कि विभिन्न राज्य

अकादेमियों द्वारा प्रारम्भ की जाने वाली परियोजनाओं का क्षेत्र विस्तृत होना चाहिए तथा उन परियोजनाओं में विविधता भी होनी चाहिए। यह भी अनुभव किया गया कि इन परियोजनाओं की अपनी कुछ विशिष्टता होनी चाहिए और ये राज्य अकादेमियों के सामान्य क्रियाकलापों का अंगभूत न होनी चाहिएं। सर्वेक्षण तथा प्रलेखन परियोजनायें, कला के विशिष्ट तथा दुर्लभ रूपों से सम्बन्धित संगीत, नृत्य तथा नाटक समारोह तथा नाटक तथा नृत्य के क्षेत्र में अल्पावधिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, इस के लिए अत्यन्त उपयुक्त सिद्ध होंगे।

कुछ विचार-विमर्श के बाद यह निर्णय किया गया कि केन्द्रीय अकादेमी की ओर से समराशिक अनुदान की रकम परियोजना के रूप को ध्यान में रखते हुए चालीस से साठ प्रतिशत तक होनी चाहिए। यह भी निश्चय किया गया कि अल्पावधिक रंगमंच प्रशिक्षण पाठ्यक्रम जैसी प्रायोजनाओं तथा समारोहों पर खर्च की जाने वाली राशि सामान्यतः 6-8000/- रु० होनी चाहिए।

(3) सामान्य

यह सुझाव दिया गया कि संगीत नाटक अकादेमी की महासमिति में राज्य अकादेमियों की ओर से उनका एक-एक नामांकित सदस्य होना चाहिए तथा यदि आवश्यकता हो तो अकादेमी के संविधान में भी उचित संशोधन करना चाहिए।

यह निर्णय किया गया कि केन्द्रीय संगीत नाटक अकादेमी राज्य अकादेमियों के संबंध में एक पुस्तिका प्रकाशित करे जिसमें उनके क्रियाकलापों से सम्बन्धित सूचनायें हों। सम्मेलन ने यह सिफारिश की कि राज्य अकादेमियों को अन्तरराज्य सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रमों में अधिक प्रभावकारी ढंग से भाग लेना चाहिए।

विभिन्न राज्यों में टैगोर रंगशालाओं के प्रबन्ध की सामान्य समीक्षा के बाद सभा ने यह सुझाव दिया कि टैगोर रंगशालाओं का संचालन राज्य अकादेमियों को ही करना चाहिए।

राज्य अकादेमियों के सचिवों के सम्मेलन के विचार का स्वागत किया गया और यह निर्णय किया गया कि सचिवों का सम्मेलन प्रतिवर्ष होना चाहिए, अच्छा हो यदि यह सम्मेलन राज्य अकादेमियों के अध्यक्षों के सम्मेलन के साथ ही किया जाये।

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय

सलाहकार समिति

31 मार्च, 1969 को स्कूल की सलाहकारी समिति के निम्नलिखित सदस्य थे—

श्री अशोक मित्र (अध्यक्ष)
कर्नल प्यारे लाल
श्री मोहन राकेश
श्री शंभु मित्र
श्री जगदीशचन्द्र माथुर
प्रो० फ्रेंक ठाकुरदास
श्री जगतमुरारी
श्री आई० एल० दास
डा० सुरेश अवस्थी (सचिव, संगीत नाटक अकादेमी)
श्री ई० अल्काज़ी (निर्देशक, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय)

विद्यार्थियों का प्रादेशिक प्रतिनिधित्व

शैक्षिक वर्ष के प्रारम्भ में प्रथम वर्ष कक्षा में कुल 13 नये विद्यार्थी थे। इनमें से दस को विद्यालय की शिक्षावृत्ति मिल रही थी। एक विद्यार्थी जम्मू तथा कश्मीर अकादेमी से आया था, तथा दो अपने खर्चे पर अध्ययन कर रहे थे।

देश के विभिन्न राज्यों के विद्यार्थियों की संख्या इस प्रकार थी—

पंजाब	1
हरियाणा	1
उत्तर प्रदेश	1
दिल्ली	4
जम्मू और कश्मीर	1
हिमाचल प्रदेश	1
महाराष्ट्र	2

मणिपुर	1
राजस्थान	1

नाटक प्रदर्शन

इस वर्ष के दौरान विद्यालय ने निम्नलिखित नाटकों का प्रदर्शन किया—

(1) जसमा ओडन, गुजराती के भवाई लोक नाटक का हिन्दी अनुवाद

स्कूल के खुले रंगमंच पर नगर के अन्य भागों में तथा सिक्किम जैसे नये क्षेत्रों में, इस नाटक के आठ प्रदर्शन किये गये। विद्यालय में जितने प्रदर्शन हुए हैं, उनमें इस नाटक का प्रदर्शन अत्यन्त लोकप्रिय रहा।

इसके मराठी संस्करण का प्रदर्शन बंबई में स्कूल के पुराने विद्यार्थियों द्वारा किया गया।

(2) सिक्किम यात्रा

अगस्त 1968 में "इंडियन कौंसिल ऑफ कल्चरल रिलेशन्स" ने विद्यालय को निमन्त्रण दिया कि वह जसमा ओडन का प्रदर्शन सिक्किम में, स्वतन्त्रता दिवस समारोह के अवसर पर करे। विद्यालय की मण्डली ने निम्नलिखित स्थानों पर नाटक का प्रदर्शन किया।

सिलीगुडी 1 प्रदर्शन, गंगतोक 3 प्रदर्शन, अग्रिम क्षेत्रों में स्थित सैनिकों के लिए भी कुछ विशेष प्रदर्शन किए गए।

(3) बर्टोल्ट ब्रेच्ट का 'काकेशियन चाक सर्कल'

विद्यालय का यह प्रदर्शन वर्ष का प्रमुख प्रदर्शन था। नाटक का पहला प्रदर्शन खुले रंगमंच पर 13 नवम्बर को प्रस्तुत किया गया। प्रदर्शन बहुत सराहनीय रहा। इसके बाद इस नाटक का प्रदर्शन और कई बार किया गया। इस प्रदर्शनके अवसर पर, बर्टोल्ट ब्रेच्ट के साथी तथा जर्मन निदेशक, कार्ल वेबर को विद्यार्थियों

को महाकाव्यीय-रंगमंच पद्धति का प्रशिक्षण देने के लिए निमंत्रित किया गया था। इस नाटक के संगीत की रचना श्री वनराज भाटिया ने विशेष रूप से की, जो एक प्रसिद्ध संगीत रचनाकार हैं।

(4) कलकत्ता समारोह

अनामिका कला संगम, कलकत्ता ने, दिसम्बर, 1968 में हिन्दी रंगमंच-शताब्दी समारोह का आयोजन किया, इसमें भाग लेने के लिए विद्यालय को निमंत्रित किया गया। वहाँ विद्यालय की मण्डली ने दो नाटकों का प्रदर्शन किया—एक तो जयशंकर प्रसाद के स्कंदगुप्त का और दूसरा ब्रेख्ट के काकेशियन चाक सर्कल का। ये दोनों ही प्रदर्शन बहुत सफल रहे।

(5) अभिनय में तीन महीने का अंशकालिक पाठ्य-क्रम

यह विशिष्ट पाठ्य-क्रम 1968 की पहली सितंबर से दिसंबर के मध्य तक संचालित किया गया। तीन प्रमुख भाषाओं—हिन्दी, अंग्रेजी तथा बंगला—के 200 से अधिक प्रार्थी थे। यह निर्णय किया गया कि प्रत्येक भाषा के—15 विद्यार्थियों की टोलियां प्रशिक्षाण के लिए चुनी जाएं। विद्यार्थियों ने मुख्य रूप से अभिनय में अनुभव प्राप्त करने के लिए इस पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया था। इसलिए पाठ्यक्रम प्रदर्शन सापेक्ष था। कक्षाएं औसतन प्रति सप्ताह पांच रखी गई। नाटकों के नियमित रिहर्सल के अतिरिक्त कक्षाओं में प्रकाश व्यवस्था तथा वेष सज्जा के बारे में भी प्रशिक्षण दिया गया। नाटक वाचन की भी व्यवस्था की गई।

पाठ्यक्रम में भाग लेने वाले विद्यार्थियों ने जनता के सम्मुख निम्नलिखित नाटकों का प्रदर्शन किया—

बंगाली टोली

बादल सरकार के "बाकी इतिहास" के तीन प्रदर्शन

हिन्दी टोली

पिरानदेलो के "लेखक की तलाश में छः पात्र" के तीन प्रदर्शन।

अंग्रेजी टोली

गार्सिया लार्का के "यर्मा" के 7 प्रदर्शन।

लार्का की कविताओं का स्पैनिश तथा अंग्रेजी में वाचन

मोलेयर के "सगाना रेले" के 2 प्रदर्शन ।

लार्का की सृजनात्मक उपलब्धियों के विभिन्न पहलुओं पर एक विचार गोष्टी का आयोजन किया गया। भाग लेने वालों (पाठ्यक्रम के सभी प्रशिक्षणार्थी) के द्वारा पढ़े गये निबन्ध विशेष रूप से उच्च स्तर के थे। उनका प्रकाशन विद्यालय की पत्रिका 'थियेटर इम्पैक्ट' में हो रहा है।

इसके अतिरिक्त प्रशिक्षणार्थियों को, प्रदर्शन के दौरान यथा संभव अनुभव प्राप्त कराया गया।

इस पाठ्यक्रम ने रंगकर्मियों में गहरी रुचि उत्पन्न की तथा एक नवीन शिष्य समुदाय का सृजन किया है। इस पाठ्यक्रम के विद्यार्थी, जब कभी भी अगले पाठ्यक्रम की व्यवस्था होगी तो उसमें भाग लेने के लिए बहुत उत्सुक हैं।

(6) आंगिक अभिव्यंजना का आशु पाठ्यक्रम

चिकित्सा शास्त्र तथा मंच के प्रख्यात प्रतिपादक मोंशियो अल्वेरेज ने विद्यालय के लिए एक सप्ताह के आशु पाठ्यक्रम का संचालन जनवरी 1969 में किया। इससे विद्यार्थियों को बहुत लाभ हुआ।

(7) व्याख्यान-प्रदर्शन

श्रीमती कनक रेले ने 'मोहिनीअट्टम तथा कथकलि' पर विद्यालय के प्रेक्षा गृह में अक्तूबर में एक व्याख्यान-प्रदर्शन प्रस्तुत किया।

गुरू गोपीनाथ ने भी 'कथकलि' पर व्याख्यान-प्रदर्शन प्रस्तुत किया। कुमारी जया अप्पा स्वामी ने भारतीय कला पर एक व्याख्यान माला दी। कथकलि वेष सज्जा पर व्याख्यान प्रदर्शनों के एक क्रम की भी व्यवस्था की गई। चेकोस्लोवाक-मूकाभियन रंगशाला के कलाकारों ने विद्यार्थियों तथा अध्यापक वर्ग के साथ 'संचलन' तथा 'स्वांग' पर चर्चा की।

(8) विद्यालय की खुली रंगशाला

विद्यालय की खुली रंगशाला, जिसमें पिछले वर्ष से काम करना आरंभ कर दिया गया था। जुलाई, 1968 में बनकर तैयार हो गई। इस रंगशाला में 275 दर्शकों के बैठने की व्यवस्था है। रंगशाला उद्यान का भी विकास कर दिया गया है जिसमें रंगशाला, चित्रकारी तथा मूर्तिकला संबंधी प्रदर्शनी की व्यवस्था की जा सकती है। 'जस्मा ओडन' के प्रदर्शन के दौरान, एक छोटी नाटक प्रदर्शनी की भी व्यवस्था की गई, जिसमें चर्म-पुतलिकाओं, मुखौटों कथा पुतलों को सम्मिलित किया गया। ये चीजें संगीत नाटक अकादेमी के संग्रह से प्राप्त हुईं।

कत्थक केन्द्र

सलाहकार समिति

31 मार्च, 1969 को कत्थक केन्द्र की सलाहकार समिति के निम्नलिखित सदस्य थे—

श्री वी० शंकर	अध्यक्ष
श्रीमती सुमित्रा चरत राम	संयोजक
श्री हंसराज गुप्त	सदस्य
श्री ब्रजबंस बहादुर	,,
श्री महेश्वर दयाल	,,
श्री मोहन खोकर	,,
श्रीमती नीना रिपजीत सिंह	,,
श्री रामप्रकाश	,,
श्री मोहन उपरेती	(कार्यकारी निदेशक)

विद्यार्थी संख्या

31-3-69 को विद्यार्थियों की संख्या 38 थी जबकि पिछले साल 37 विद्यार्थी थे। विद्यार्थियों का वर्गीकरण निम्नलिखित ढंग से था—

नृत्य डिप्लोमा पाठ्यक्रम

कत्थक केन्द्र की छात्रवृत्ति पर (I, II तथा III वर्ष)	6
कत्थक केन्द्र की निःशुल्क छात्रवृत्ति पर	3
शिक्षा मंत्रालय की छात्रवृत्ति पर	1
शिक्षा मंत्रालय की अन्य छात्रवृत्तियों पर (विदेशियों के लिए)	2
नृत्य (अल्पावधिक पाठ्यक्रम)	
विश्व भारती विश्वविद्यालय की छात्रवृत्ति पर	1
विदेशी छात्र	1
अन्य छात्र	7
प्राक्प्रवेश अनुभाग (नृत्य)	10
अंशकालिक छात्र (ठुमरी)	5
अंशकालिक छात्र (पखावज) (निःशुल्क)	2

अध्यापक

नृत्य का प्रशिक्षण, श्री शम्भु महाराज, श्री सुन्दर प्रसाद तथा श्री बिरजू महाराज ने किया। श्रीमती सिद्धेश्वरी देवी ने ठुमरी, श्री पुरुषोत्तम दास ने पखावज का प्रशिक्षण दिया।

नृत्य दल

कत्थक केन्द्र के नृत्य दल में छः स्त्री-पुरुष नर्तक और तीन संगीतज्ञ हैं। इस के निदेशक श्री बिरजू महाराज हैं। कत्थक शैली में नृत्य—नाटकों प्रदर्शन के लिए यह पाठ विद्यालय के साथ स्थायी रूप से संबद्ध है।

इस पाठ ने "कृष्णायन" के दो प्रदर्शन किये—एक तो अगस्त, 1968 में, नयी दिल्ली के फाइन आर्टस थियेटर में तथा दूसरा जनवरी 1969 कलकत्ता के कला मन्दिर में। 1968 के अगस्त मास में 'शामेअवध' के तीन प्रदर्शन फाइन आर्टस थियेटर में किये। नृत्य दल ने 'होता है शबो रोज़ तमाशा मेरे आगे' (मिर्ज़ा गालिब के जीवन पर नृत्य-नाटक) के दो प्रदर्शन किये—एक तो 17 फरवरी को मांवलंकर हाल में तथा दूसरा 'अखिल भारतीय ग़ालिब शताब्दी महिला समिति, लखनऊ' के तत्वावधान में रवीन्द्रालय में। इसके अतिरिक्त इस टोली ने समय-समय पर छः छोटे-मोटे कार्यक्रम, दिल्ली में तथा दिल्ली से बाहर, प्रस्तुत किये। आई० सी० सी० आर० ने इस टोली को सांस्कृतिक प्रतिनिधि मंडल के रूप में लंका भेजा, जहां इसने 19-2-69 से 10-3-69 तक आठ प्रदर्शन किये।

जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादेमी

जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादेभी, मणिपुर के लोक नृत्य तथा शास्त्रीय संगीत की प्रमाणिकता को बनाये रखने के लिए संगीत नाटक अकादेमी के उत्तर-दायित्व, में 1957 से है। 'मणिपुर नृत्य कालेज' के नाम से इस संस्था की स्थापना 1954 में की गई थी। इस संस्था में जिसका अब "जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादेमी" नाम रखा गया है, विद्यार्थियों को परंपरागत मणिपुरी शैली का नृत्य में प्रशिक्षण दिया जाता है। छात्रों में और अधिक योग्यता उत्पन्न करने के लिए यह संस्था आधुनिक शैलीबद्ध प्रशिक्षण का कार्य कर रही है, और इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए इसने समस्त साधनों को तथा प्रतिभावान विशेषज्ञों को जुटाया है। अकादेमी का प्रबंध एक स्थानीय सलाहकार समिति द्वारा किया जा रहा है। दो प्रतिष्ठित गुरु (दोनों अकादेमी पुरस्कार विजेता) अकादेमी से संबद्ध हैं।

सलाहकार समिति

श्री बालेश्वर प्रसाद—चीफ़ कमिश्नर	अध्यक्ष
डा० सुरेश अवस्थी, सचिव, संगीत नाटक अकादेमी	उपाध्यक्ष
श्री एच. रणवीर सिंह, शिक्षा सचिव, मणिपुर सरकार	पदेन सचिव
श्री द्विज मणिदेव शर्मा	सदस्य
श्री आर० के० प्रिय गोपालसिंह	,,
गुरु अमुबी सिंह	,,
पंडित एम० चन्द्रसिंह	,,
श्रीमती एम० के० विनोदिनी देवी	,,

श्रीमती एम० के० विनोदिनी देवी ने, अकादेमी की प्रशासनिक अधिकारी नियुक्त किये जाने के बाद समिति से त्यागपत्र दे दिया है।

अध्यापक तथा विद्यार्थी

अकादेमी में 15 गुरु हैं। **गुरु अमुबी सिंह मुख्याध्यापक** हैं। पाठ-विधि के सात विभाग इस प्रकार हैं—

1. अनुसंधान विभाग
2. रस विभाग
3. पुंग (मृदंग) विभाग
4. नटचालम् विभाग
5. मणिपुर गीत विभाग
6. आदिवासी नृत्य विभाग
7. लोक नृत्य तथा सामुदायिक नृत्य विभाग

प्रत्येक विभाग का अध्यक्ष एक वरिष्ठ गुरु है और उसकी सहायता के लिए एक अध्यापक है।

1968-69 में विद्यार्थियों की संख्या 52 थी, इनमें से 7 तो मणिपुरी आदिवासी हैं। इस वर्ष प्रथम बार अकादेमीने आदिवासी विद्यार्थी भर्ती किये हैं। 1969 से अकादेमी ने दो नये पाठ्यक्रम आरम्भ किए हैं अर्थात् (क) डिप्लोमा पाठ्यक्रम—(3 वर्ष) तथा (ख) प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम (3 वर्ष)।

19-2-68 से आरंभ होने वाले शिक्षा-सत्र में 100 रुपए की 5 छात्रवृत्तियां योग्य विद्यार्थियों को दी गईं। इनका चुनाव, साक्षात्कार के लिए आये हुए 12 प्रार्थियों में से किया यया। अकादेमी का विचार है कि डिप्लोमा पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों का प्रशिक्षण समाप्त करने के बाद "नृत्य-नाटिका" शाखा आरम्भ की जाए।

इस समय डिप्लोमा पाठ्यक्रम में 5 विद्यार्थी (सभी लड़के) हैं तथा नवीन प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम में 22 विद्यार्थी (13 लड़कियां और 9 लड़के)।

समालोच्य वर्ष के दौरान अकादेमी ने चार सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया।

हिसाब किताब

भारत सरकार (शिक्षा मन्त्रालय) इस अकादेमी के लिए अनुदान देती है। 31 मार्च, 1969 को समाप्त होने वाले वर्ष का आय-व्यय लेखा परिशिष्ट संख्या 5 में है।

परिशिष्ट 1

31-3-69 को महासमिति के सदस्य

अध्यक्ष

1. श्रीमती इन्दिरा गान्धी,
प्रधान मन्त्री, भारत सरकार,
1, सफदरजंग रोड, नई दिल्ली

उपाध्यक्ष

2. श्री के० पी० एस० मेनन,
जे-19, हौज़ खास, नई दिल्ली
(पलट हाऊस, ओट्टपलम, केरल)

वित्तीय सलाहकार

3. श्री एम० एस० नादकर्णी,
संयुक्त सचिव, वित्त मंत्रालय (व्यय-विभाग), भारत सरकार,
नई दिल्ली

शिक्षा मंत्रालय के प्रतिनिधि

4. श्री एस० चक्रवर्ती
सचिव शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली,

सूचना प्रसारण मंत्रालय के प्रतिनिधि

5. रिक्त

भारत सरकार द्वारा नामजद

6. डा० वी० के० नारायण मेनन,
कला प्रदर्शन का राष्ट्रीय केन्द्र,
बम्बई हाऊस (चौथी मंजिल)
ब्रूस स्ट्रीट, बम्बई-1

7. श्री ए० के० चन्दा,
54-ई, सुजान सिंह पार्क, नई दिल्ली

8. डा० वी० एस० झा०,
12 फिरोज, गाँधी रोड,
लाजपत नगर III, नई दिल्ली-14
868, राईट टाउन, झा मार्ग,
(जबलपुर)

9. श्री बलराज साहनी,
टर्नर रायल लेन, जुहू, बम्बई-54

राज्य सरकारों द्वारा नामजद

आन्ध्रप्रदेश

10. श्री पी० सूर्यचन्द्र राव,
अध्यक्ष, आन्ध्रप्रदेश संगीत
नाटक अकादेमी,
कला भवन, सैफाबाद, हैदराबाद

असाम

11. श्री परागधर चालिहा,
प्रधान सचिव, असाम संगीत
नाटक अकादेमी,
शिव सागर, असाम

बिहार

12. श्री रामधारी सिंह दिनकर,
5 सफदरजंग लेन,
नई दिल्ली

गुजरात

13. श्री सी० सी० मेहता,
मनुभाई मेहता हाल,
युनिवर्सिटी होस्टल्स, बड़ौदा-2

केरल

14. श्री सी० आई० परमेश्वरन पिल्लै,
एडवोकेट, वाँचीयूर,
त्रिवेन्द्रम-1

मध्यप्रदेश

15. श्री प्रेमचन्द कश्यप, उपाध्यक्ष,
मध्यप्रदेश कला परिषद्, ग्वालियर

मद्रास

16. श्री एस० डी० सुन्दरम्, सचिव,
मद्रास राज्य संगीत नाटक संगम,
ब्रोडी कैसल, ग्रीनवेज़ रोड,
मद्रास-26

महाराष्ट्र

17. श्री के० नारायण काले,
मनीशा,
34/7, ऐराण्डा वेन, कचारे वाडी,
दक्षिण जीमखाना, पूना-4

मैसूर

18. श्री एस० वी० जेवूर,
डाइरेक्टर ऑफ पब्लिक इन्स्ट्रक्शन,
मैसूर सरकार, बंगलौर

उड़ीसा

19. श्री धीरेन्द्रनाथ पटनायक, सहायक
सचिव, उड़ीसा संगीत नाटक
अकादेमी, म्यूजियम बिल्डिग्स
भुवनेश्वर-1

पंजाब

20. श्री बलबन्त गार्गी, प्रोफेसर
ऑफ इंण्डियन थियेटर, पंजाब
विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़-14

राजस्थान

21. श्री देवी लाल सामर, निदेशक,
भारतीय लोक कला मंडल,
उदयपुर (राज०)

उत्तरप्रदेश

22. *श्री महेश प्रसाद*
निदेशक, संस्कृति विभाग,
लखनऊ, उत्तरप्रदेश

पश्चिम बंगाल

23. श्री उत्पल दत्त,
'कल्लोल'
140/24, नेताजी सुभाष रोड,
कलकत्ता-40

जम्मू और काश्मीर

24. श्री एन० डी० शर्मा,
सचिव, जम्मू कश्मीर कला,
संस्कृति और भाषा अकादेमी,
लाल मण्डी, श्रीनगर

साहित्य अकादेमी के प्रतिनिधि

25. श्री अनन्त काणेकर,
शान्ति कुंज,
पांचवीं गली, हिन्दू कोलोनी,
दादर, बम्बई-14

26. श्री कृष्ण कृपलानी
सचिव,
साहित्य अकादेमी.
नई दिल्ली-1

ललित कला अकादेमी के प्रतिनिधि

27. श्री एस० एन० स्वामी,
'दिलकश काटेज', बसन्त महल
रोड, नरज़र-बाद, मैसूर-1

28. रिक्त

अकादेमी के नियमों और उपनियमों के नियम 4 के अधीन निर्वाचित सदस्य

29. श्री एस० पिनाकपणि,
प्रो० ऑफ मैडिसन, करनूल
मैडिकल कालिज, गवर्नमैण्ट
जनरल हास्पिटल, कुरनूल

30. श्री कोमल कोठारी
'रुपायण' संस्थान, ग्राम बोरुण्डा
वाया पीपर, जोधपुर

31. प्रो० के० एस० नारायण स्वामी,
प्रो० ऑफ वीणा, श्री स्वाति
तिरुनाल संगीत महाविद्यालय,
त्रिवेन्द्रम.

32. श्री डी० टी० जोशी
'संगीत भवन', विश्वभारती,
शान्ति-निकेतन,
बोलपुर (पं० बंगाल)

33. श्री अमीर खाँ,
द्वारा श्री टाम डब्लू. रोज़,
2, कार्नवालिस स्क्येयर,
कलकत्ता-6

34. श्रीमती मृणालिनी साराभाई
'दर्पण',
चिदम्बरम, अहमदाबाद

35. श्री धर्मवीर भारती,
सम्पादक 'धर्मयुग',
टाइम्स आफ इंडिया बिल्डिंग,
बम्बई-1

36. श्री पी० एल० देशपाण्डे,
15-बी, सरोजिनी नायडू रोड,
सान्ताक्रूज वैस्ट, बम्बई-54

37. श्री बिरजू महाराज,
97, सरकुलर रोड,
नई दिल्ली

38. श्री एस० एन मजूमदार,
ए-60, कैलाश कालोनी,
नई दिल्ली-14

39. श्री जगदीशचन्द्र माथुर,
4-लिटन लेन, नई दिल्ली

40. श्री राजकुमार प्रियगोपाल साना,
थंगमीबन्द सेनापतिकोल्लुप
डाकघर-इम्फाल (मणिपुर)

अकादेमी के नियमों और उपनियमों के नियम 4(9) के अधीन निर्वाचित सदस्य

41. प्रो० एस० श्रीनिवास राव,
आचार्य, केन्द्रीयकर्नाटक संगीत
महाविद्यालय, ब्रोडीकैसल,
19, ग्रीनवेज रोड, मद्रास-14

42. डा० वी० राघवन,
7, श्रीकृष्णपुरम स्ट्रीट,
रायापेट्टाह, मद्रास-14

43. श्री स्वामी प्रज्ञानानन्द
रामकृष्ण वेदान्तमठ
19-बी, राजा राजकृष्ण स्ट्रीट,
कलकत्ता-6

44. डा० के० सी० देव बृहस्पति
514, वल्लभभाई पटेल हाऊस,
नई दिल्ली-1

45. श्री शम्भू मित्र,
बहुरूपी,
11-ए नसीरुद्दीन रोड, कलकत्ता

46. श्री आद्य रंगाचार्य,
381, विमल विहार, छठा मेन रोड़
मल्लेश्वरम, बंगलौर-3

47. श्रीमति टी० बालसरस्वती
16, रामनाथन चेट्टियार रोड
अलगप्पा नगर,
क्लिपौक, मद्रास-10

48. डा० के० एन० पिशरोती
शोरानूर रोड, त्रिचूर-1

परिशिष्ट 2

संगीत नाटक अकादेमी के रत्न-सदस्य

1. श्री अलाउद्दीन खां
2. श्री हाफीज़ अली खां
3. श्री पृथ्वी राज कपूर
4. श्रीमती अंजनी बाई मालपेकर
5. श्री अरियकुडि रामानुज अय्यंगार (स्वर्गीय)
6. श्री पापनासम आर० शिवन
7. श्री डी० अन्नास्वामी भागवतार (स्वर्गीय)
8. श्री उदय शंकर
9. श्री श्रीकृष्ण नारायण रतनजंकर
10. श्री प्रो० पी० साम्बमूर्ति
11. स्वामी प्रज्ञानानन्द
12. श्री० टी० एल० वेंकटराम अय्यर
13. श्री वीरेन्द्र किशोर राय चौधरी
14. प्रो० बी आर० देवधर
16. श्रीमती सी० सरस्वती बाई
16. डा० वी० राघवन
17. डा० पी० वी० राजमन्नार
18. श्री दिलीपकुमार राय
19. डा० डी० जी० व्यास (स्वर्गीय)
20. ठाकुर जयदेव सिंह
21. पण्डित विनायक राव पटवर्धन
22. श्री जय चामराज वडियार
23. श्री ई० कृष्ण अय्यर (स्वर्गीय)
24. श्री शम्भू मित्र
25. डा० आशुतोष भट्टाचार्य
26. श्री आद्य रंगाचार्य
27. श्री ई० अलकाज़ी

28. बड़े गुलाम अली खां
29. गुरु पी० के० कुंजु कुरुप
30. श्री मुसिरी सुब्रमण्य अय्यर
31. श्रीमती रुक्मिणी देवी अरुण्डेल
32. श्री शम्भू महाराज
33. श्री वेदान्तम सत्यनारायण शर्मा
34. श्री कालीचरण पटनायक

पुरस्कार विजेता

हिन्दुस्तानी संगीत

कण्ठ संगीत

श्री मुश्ताक हुसैन खां (स्वर्गीय)
श्रीमती केसर बाई केरकर
श्री रजब अली खां (स्वर्गीय)
श्री अनन्त मनोहर जोशी
श्री राजा भैय्या पुंछवाले (स्वर्गीय)
श्रीमती रसूलन बाई
श्री गणेश रामचन्द्र बेहरे
श्री कृष्णराव शंकर पंडित
श्री अलताफ़ हुसैन खां (स्वर्गीय)
श्री वाई० एस० मिराशी बुवा (स्वर्गीय)
श्री बड़े गुलाम अली खां
श्री ओंकार नाथ ठाकुर (स्वर्गीय)
श्री रहमुद्दीन खां डागर
श्रीमती हीराबाई बड़ौदेकर
श्रीमती सिद्धेश्वरी देवी
श्री अमीर खां
श्रीमती मोगूबाई कुर्डीकर

वाद्य संगीत

श्री अलाउद्दीन खां
श्री हफ़ीज अली खां
श्री अहमद जान थिरकवा
श्री गोविन्द राव बुरहानपुरकर (स्वर्गीय)
श्री बिस्मिल्लाह खां
श्री यूसुफ अली (स्वर्गीय)
श्री जहांगीर खां
श्री वहीद खां (स्वर्गीय)
श्री कण्ठे महाराज
श्री रवि शंकर
श्री अली अकबर खां
पण्डित सखाराव तावड़े
श्री शकूर खां
श्री अयोध्या प्रशाद
श्री मुश्ताक अली खां

कर्नाटक संगीत

कण्ठ संगीत

अरयकुडि श्री रामानुज अय्यंगर (स्वर्गीय)
सेम्मनगुडी श्री आर० श्रीनिवास अय्यर
मैसूर श्री के० वासुदेवाचार्य (स्वर्गीय)
महाराजपुरम श्री विश्वनाथ अय्यर
श्रीमती एम० एस० सुब्बलक्ष्मी
मुसिरी श्री सुब्रमण्य अय्यर
चेम्बई श्री वैद्यनाथ भागवतार
गुण्डलूर श्री एन० बालसुब्रमण्यम (स्वर्गीय)
मुदुरै श्री मणि अय्यर
मुडिकोण्डन श्री सी० वेंकटराम अय्यर

श्रीमती डी के० पट्टम्माल
श्री बी० देवेन्द्रप्पा
चित्तूर श्री एस सुब्रमण्य
श्रीमती टी० वृन्दा
मदुरै श्री श्रीरंगम अय्यंगर
श्री सी० वेंकट राव
श्री आलत्तूर एस० श्रीनिवास अय्यर

वाद्य संगीत

करईकुडि श्री साम्बशिव अय्यर (स्वर्गीय)
द्वारम श्री वेंकटस्वामी नायडू (स्वर्गीय)
पल्लदम श्री संजीव राव (स्वर्गीय)
श्री टी० राजरत्नम पिल्ले (स्वर्गीय)
श्री टी० एस० पालघाट मणि अय्यर
श्री टी० चौदियाह
बुडलूर श्री कृष्णमूर्ति शास्त्री
कुम्भकोनम श्री राजमणिक्कम पिल्लै
श्री शेरमादेवी एल० सुब्रमण्य शास्त्री
श्री टी एन० स्वामीनाथ पिल्लै (स्वर्गीय)
तिरुविजीमाज़लाई श्री एस० सुब्रमण्य पिल्लै
श्री टी० के० जयराम अय्यर
श्री के० एन० चिन्नस्वामी अय्यर
श्री टी० आर० महालिंगम्
श्री पी० एस० वीरूस्वामी पिल्लै
श्री के० एस० वैंकटरामैय्याह "पापा"
प्रो० के० एस० नारायणस्वामी

नृत्य

भारतनाट्यम

श्रीमती टी० बालसरस्वती
श्रीमती रुक्मिणी देवी

श्रीमती मिलापुर गौरी अम्भा
श्रीमती आर० मुथुरत्नम्बाल (स्वर्गीय)
श्रीमती वेंकटलक्षम्मा
श्रीमती स्वर्ण सरस्वती
श्रीमती कमला

कत्थक

श्री शम्भू महाराज
श्री बैजनाथ प्रसाद
श्री सुन्दर प्रसाद
श्री मोहन राव कल्यानपुरकर
श्री बिरजू महाराज
श्रीमती दमयन्ती जोशी

कथकली

गुरु कुंजू कुरुप
श्री थोट्टनके० चण्डू मणिक्कर
श्री थेकिनकट्टिलरमुन्नी नय्यर
श्री चेंगान्नूर रमणपिल्लै
गुरु गोपीनाथ
श्री कलामण्डलम कृष्णन नय्यर
श्री कुरिचि कुंजन पणिक्कर

मणिपुरी

गुरु-अमुबी सिंह
श्री हाओहम अतम्बा सिंह
श्री टखेलचंबर्म अमुडम शर्मा
श्री अतम बापू शर्मा (स्वर्गीय)
गुरु बिपिन सिंह

शास्त्रीय नृत्य के प्रशिक्षक

पी० चोक्कलिंगम् पिल्लै (स्वर्गीय)
(भरत नाट्यम)
वी० बी० रामैय्या पिल्लै (भरत नाट्यम)

कुचिपुडि	श्री वेदान्तम् सत्य नारायण शर्मा
	श्री चिन्ता कृष्णामूर्ति (नृत्य गुरु)
ओडिसी	श्री केलूचरन महापात्र
चकियार कूथू	श्री पी० मणि माधव चकियार
यक्षगण	श्री हरादि रामा गणिगा
नृत्य की अन्य शैलियाँ	श्री उदयशंकर (सर्जनात्मक नृत्य)
	श्री बापू राव खुडे नारायण गोयनकर (तमाशा)
	श्री मणिराम दत मोख्तार (सत्तरिया)
	श्री सुधेन्द्र नारायण सिंह देव (छाऊ)
	श्री बालू भागवतार (भगवतमेला)

नाटक

अभिनय	श्री गुब्बी विराना
	श्री बाल गंधर्व (स्वर्गीय)
	श्री गणपतराव बोदस
	श्री चिंतामणराव कोलहटकर (स्वर्गीय)
	श्री अहिन्द्र चौधरी
	श्री पम्पल सम्बंध मुदालियर (स्वर्गीय)
	श्री अशरफ खां (स्वर्गीय)
	श्री सी० आई० परमेश्वरन पिल्लै
	श्री गोपाल गोविंद पाठक
	श्री संतानम नरसिंह राव
	श्री मित्रदेव महंत अधिकार
	श्री मैसूर वेंकटप्पा सत्रमण्य नायडू (स्वर्गीय)
	श्री सेमुयल साह
	श्रीमती तृप्ति मित्रा
	श्री टी० के० शंभुगम
	श्री बंदा कनकलिंगेश्वर राव
	श्रीमती जोहरा सहगल
	श्रीमती के० टी दाते

श्री अरविंदाक्ष मेनन
श्री कृष्णचन्द्र मोरेश्वर
श्री नायक मूलजी भाई खुशालभाई
श्री सविता ब्रत दत्त
श्री एस० वी० सहस्त्रनामम्
प्रो० जसवन्त ठाकर
श्री फणि भूषण विद्याविनोद (स्वर्गीय)

प्रस्तुतीकरण और निर्देशन

श्री पृथ्वीराज कपूर
श्री जयशंकर सुन्दारी
श्री शंभू मित्रा
श्री कासम भाई नाथूभाई मीर
श्री इब्राहिम अल्काज़ी
श्री टी० एस० राजमणिक्कम

नाट्य-लेखन

श्री भार्गवराम विथ्थलमामा वरेरकर (स्वर्गीय)
श्री प्रभूलाल दयाराम द्विवेदी (स्वर्गीय)
श्री आद्य रंगाचार्य 'श्री रंग'
श्री उपेन्द्रनाथ अश्क
श्री पी० एल० देशपाण्डे
श्री कृष्ण पहलवान (नौटंकी)
श्री बादल सरकार
श्री मोहन राकेश

फिल्म (चल-चित्र)

निर्देशन

श्री देवकी बोस
श्री सत्यजित राय

पटकथा

श्री गजानन डी० मडगुलकर
श्री मुखराम शर्मा

अभिनय

श्रीमती दुर्गा खोटे
श्री अशोक कुमार गाँगुली
श्री छबि विश्वास (स्वर्गीय)
श्रीमती ललिता पवार

संगीत निर्देशन	श्री सचिन देव बर्मन
गीतकार	श्री रामचन्द्र द्विवेदी 'प्रदीप'

पुरस्कार

नाटक	श्री मोहन राकेश (हिन्दी)
	श्री टी० एन० विश्वनाथन् (तामिल)
	श्री शिवकुमार जोशी (गुजराती)
	श्री वसन्त काणेकर (मराठी)
	श्री अमनचार्ला गोपालराव (तेलगू)
	श्री उत्पल दत्त (बंगला)
	श्रीमती लीला मजुमदार (बाल-नाटक)
नाट्य प्रस्तुतीकरण	अनामिका, कलकत्ता (हिन्दी)
	रूपकार—कलकत्ता (बंगला)
	मणिमेला-माहकेन्द्र—कलकत्ता (बाल-नाटक)

परिशिष्ठ 3

1968-69 में संस्थाओं को स्वीकृत अनुदान

क्र० सं०	संस्था का नाम	अनुदान की राशि	उद्देश्य
1.	बहुरूपी, कलकत्ता	50000	निदेशक, अभिनेता के वेतन के लिए तथा प्रस्तुतीकरण व्यय
2.	दर्पणा, अहमदाबाद	50000	अध्यापकों के वेतन, वृत्तियों तथा नवीन नृत्य नाटक "अश्वत्थामा" पर व्यय
3.	कलाक्षेत्र, मद्रास	50000	वेतनों तथा वृत्तियों के लिए
4.	भारतीय नाट्य संघ, नई दिल्ली	25000	नृत्यकला संस्थान के अध्यापकों के वेतन तथा अनुरक्षण के लिए
5.	दिल्ली आर्ट थियेटर, नई दिल्ली	25000	प्रस्तुतीकरण व्यय, गायकों तथा यंत्र वादकों (आपेरा यूनिट) के वेतन तथा वृत्तियों के लिए
6.	रंगश्री लिट्ल बैले ट्रूप, ग्वालियर	25000	नृत्य कथा विशेषज्ञों तथा नर्तकों के वेतनों के लिए
7.	त्रिवेणी कला संगम, नई दिल्ली	22000	15000 रुपए बैले प्रस्तुतकर्ताओं तथा भारतनाट्यम के अध्यापकों के वेतनों के लिए, 7000 रुपए बैले यूनिट के लिए
8.	श्री सिद्धेन्द्र कलाक्षेत्रम, एलुरु	20000	अध्यापकों के वेतनों तथा वृत्तियों के लिए
9.	यात्रिक, नई दिल्ली	20000	(1) 15000 रुपए अभिनेताओं के वेतन के लिए तथा (2) 5000 रुपए राज सामान के क्रय के लिए

10.	कथाकलि का अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र, नई दिल्ली	17000	15000 रुपए—(1) 10000 रुपए प्रस्तुतीकरण व्यय के लिए तथा (2) 5000 रु० अध्यापकों के वेतनों के लिए 2000 रु० हिन्दी गीतों सहित "नल चरितम" के प्रस्तुतीकरण के लिए
11.	भारतीय कला केन्द्र, नई दिल्ली	15000	संगीत के अध्यापकों के वेतनों के लिए
12.	चिल्ड्रेन्स लिट्ल थियेटर, कलकत्ता	15000	10000 रुपए कठपुतली के खेल में प्रशिक्षण के लिए तथा युवा गायक मंडली के खर्च के लिए 5000 रुपए नवीन बैले "रामायण" के प्रस्तुतीकरण पर खर्च के लिए
13.	**संगीत अकादेमी, मद्रास**	15000	(1) अनुसंधान (2) अवर प्रतिभाशालियों को प्रोत्साहन (3) हिन्दुस्तानी संगीत का परिचय (4) संगीत कालेज के अध्यापकों का प्रशिक्षण तथा उन्नति
14.	अनामिका, कलकत्ता	10000	अभिनेताओं के वेतनों के लिए
15.	भरतनाट्यालय, मद्रास	10000	प्रस्तुतीकरण (नृत्य नाटक)व्यय के लिए
16.	कला निलयम थियेटर्स, त्रिवेन्द्रम	10000	प्रस्तुतीकरण व्यय के लिए
17.	कला विकास केन्द्र कटक	10000	(1) 5000 रुपए उड़ीसी नृत्य में अल्पावधिक विशेष उच्च प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के लिए (2) 5000 रुपए (उड़ीसी नृत्य) शिक्षकों के वेतनों के लिए
18.	मद्रास नाट्य संघ	10000	वेतनों तथा वृत्तियों के लिए (नाटक)
19.	मयूरभंज छाऊ नृत्य प्रतिष्ठान, बरोपाड़ा	10000	अध्यापकों के वेतनों तथा वृत्तियों के लिए (छाऊ नृत्य प्रशिक्षण)
20.	थियेटर सेंटर, कलकत्ता	10000	अध्यापकों के वेतनों तथा मानदेयों के लिए (रंगशाला प्रशिक्षण)

21.	थियेटर यूनिट, बम्बई	10000	(नाटक) प्रस्तुतीकरण व्यय के लिए
22.	कलकत्ता स्कूल ऑफ म्यूजिक	8000	अध्यापकों के वेतनों के लिए (पश्चिमी संगीत)
23.	लिटेल थियेटर ग्रूप, नई दिल्ली	8000	अभिनेताओं के वेतन
24.	दिल्ली चिल्ड्रेन्स लिट्ल थियेटर	7000	नृत्य-कला विशेषज्ञों तथा संगीतकारों के वेतनों के लिए
25.	गीति बितान, नई दिल्ली	6000	टैगोर संगीत सिखाने वाले संगीत शिक्षकों का वेतन
26.	आन्ध्रप्रदेश नाट्यसंघम्, हैदराबाद	5000	अध्यापकों के वेतनों तथा मानदेय के लिए
27.	बंगाली क्लब तथा यंग मैन्स एसोसियेशन, लखनऊ	5000	मंच प्रकाशन उपस्कर के लिए
28.	भारतीय लोक कला मंडल, उदयपुर	5000	सर्वेक्षण तथा प्रलेखन के लिए (लोक संगीत, नृत्य)
29.	दर्पण, कानपुर	5000	मंच रचना प्रशिक्षण के अल्पावधिक पाठ्य-क्रम के लिए (पाठ्यक्रम का अनुमोदन अकादेमी द्वारा किया जाना है)
30.	गांधी सेवा सदन कथकलि तथा क्लासिक आर्ट अकादेमी, पालघाट	5000	वेतनों तथा वृत्तियों के लिए (कथकलि)
31.	गांधर्व महाविद्यालय, नई दिल्ली	5000	यंत्र वादकों के वेतनों तथा सामुदायिक गायन उन्नति के संगीत निदेशक के मानदेय के लिए
32.	कलाक्षेत्रम, एलुरु	5000	अध्यापकों के वेतनों के लिए
33.	नाट्य संघ, बम्बई	5000	रंगशाला प्रशिक्षण के लिए
34.	नया थियेटर, नई दिल्ली	5000	प्रस्तुतीकरण व्यय के लिए
35.	संगीत नाट्य भारती, राजकोट	5000	लोक संगीत के सर्वेक्षण तथा अनुसंधान के लिए
36	श्री त्याग ब्रह्मा महोत्सव सभा	5000	अराधना संगीत समारोह के व्यय के लिए (इसमें 1967-68 के 3000 रु० भी सम्मिलित हैं)

37.	मणिपुर ड्रामेटिक यूनियन, इम्फाल	5000	मंच प्रकाशन उपस्करण के लिए
38.	विश्व कला केन्द्र, त्रिवेन्द्रम	5000	प्रस्तुतीकरण व्यय के लिए (कथकलि)
39.	उन्ने वारियर समरका कला निलयम्	4000	अध्यापकों के वेवन के लिए
40.	बालासरस्वती का शास्त्रीय भरतनाट्य स्कूल	4000	वेतत तथा मादेय के लिए (भरतनाट्यम्)
41.	अरुण संगीतालय, बम्बई	4000	अध्यापकों के वेतनों तथा वृत्तियों के लिए (तबला वादन में उच्चतर प्रशिक्षण)
42.	केरलीय नृत्य कला केन्द्रम, कलकत्ता	4000	(1) 2000 रुपये अध्यापकों के वेतनों के लिए (कथकलि) (2) 2000 रुपए पोशाकों के लिए
43.	बिहार आर्ट थियेटर, पटना	3000	प्रस्तुतीकरण व्यय के लिए
44.	नृत्य निकेतन	3000	(उड़ीसी) नृत्य अध्यापकों के वेतनों के लिए
45.	शंकर गान्धर्व महाविद्यालय ग्वालियर	3000	संगीत अध्यापकों के वेतन के लिए
46.	श्री सरस्वती गायन समाज, पेढरपुर*	3000	अध्यापकों के वेतनों के लिए
47.	उड़ीसा संगीत परिषद्	3000	पखावज वादन में प्रशिक्षण तथा वेतनों के लिए
48.	व्रजकला केन्द्र, मथुरा	3000	विशिष्ट रासलीला गीतों के स्वराँकन के लिए
49.	शंकर मित्तर कीर्तन शिक्षालय, कलकत्ता	3000	कीर्तन अध्यापकों के वेतनों तथा प्रस्तुतीकरण व्यय के लिए
50.	गौरीपुर म्यूज़िक ट्रस्ट, कलकत्ता	2400	अकादेमी को, उस्ताद कादिर वक्ष की 200 दुर्लभ संगीत रचनाओं की स्वरांकन सहित, पूर्ति के लिए

51.	दिल्ली म्यूज़िक सोसायटी	2000	अध्यापकों के वेतनों के लिए
52.	खां साहब अब्दुल करीम खां संगीत प्रचार मण्डल, बम्बई	2000	अब्दुल करीम खां के घराने के संगीत के प्रशिक्षण तथा अनुसंधान के लिए
53.	गाँधर्व महाविद्यालय, पूना	2000	संगीत सम्बन्धी वाद्य यन्त्रों तथा पुस्तकों के लिए
54.	श्री हरि संकीर्तन सभा	2000	लोक संगीत समारोह के आयोजन के लिए
55	दिल्ली नाट्यसंघ, दिल्ली	700	'वर्ल्ड थियेटर डे' के समारोह के लिए

पाद टिप्पणी—कागज़ात प्रस्तुत न करने के कारण अनुदान नहीं दिया जा सका ।

1968-69 में राज्य अकादेमियों को स्वीकृत अनुदान

क्र० सं०	राज्य अकादेमी का नाम	राशि रुपयों में	उद्देश्य
1.	केरल संगीत नाटक अकादेमी, त्रिचुर	8000	'नाटक' पर लोक कला समारोह विचार गोष्ठी के आयोजन के लिए
2.	उत्तरप्रदेश संगीत नाट्य भारती, लखनऊ	5000	व्याख्यान प्रदर्शन सहित नृत्य समारोह के आयोजन के लिए
3.	जम्मू एण्ड कश्मीर अकादेमी आफ आर्टस, कल्चर, एण्ड लैंग्वेजेज, श्रीनगर	5000	लोक संगीत तथा लोक नाटकों (भाँड-जशन) के समारोह के आयोजन के लिए
4.	उड़ीसा संगीत नाटक अकादेमी, भुवनेश्वर	5000	छाऊ नृत्य समारोह तथा विचार गोष्टी के आयोजन के लिए
5.	आन्ध्रप्रदेश संगीत नाटक अकादेमी	3000	प्रख्यात संगीतज्ञों के संगीत सम्बन्धी टेप रिकार्डिग के लिए

परिशिष्ट 4

संगीत नाटक अकादेमी के प्रकाशन

(बिक्री के लिए)

अंग्रेजी में

"संगीत नाटक"—संगीत नाटक अकादेमी की त्रैमासिक पत्रिका, मूल्य प्रत्येक अंक 3)—पूरे साल के लिए—10/-

फिल्म सेमिनार रिपोर्ट—1955—सम्पादक—आर० एम० रे, पृष्ठ सं० 271+ एल० 3 मूल्य 10)

एन्थोलोजी ऑफ वन हन्ड्रेड सांग्स ऑफ रवीन्द्र नाथ टैगोर इन स्टाफ नोटेशन्स भाग 1—(पचास गीतों का संग्रह) पृष्ठ संख्या 200, विदेशी संस्करण $ 5.50; £ 2, भारतीय संस्करण, मूल्य 25)

एंथोलोजी ऑफ वन हन्ड्रेड सांग्स ऑफ रवीन्द्र नाथ टैगोर इन स्टाफ नोटेशन्स भाग 2 (पचास गीतों का संग्रह) पृष्ठ 193

विदेशी संस्करण—मूल्य $ 6.00; £ 2.50

भारतीय संस्करण—मूल्य 45)

संगीत नाटक अकादेमी बुलेटिन

"टैगोर सेन्टनरी अंक—संपादक—पुलिन बिहारी सेन तथा क्षितिज राय

पृष्ठ संख्या 118, साधारण जिल्द मूल्य 10);

विशेष जिल्द मूल्य—12.50

कुट्टियट्टम—ले० डा० कुंजुन्नी राजा—एक परिचय—पृष्ठ संख्या 38 मूल्य 2)

केटलग ऑफ टेप रेकार्डिग—पृष्ठ संख्या—263, मूल्य 20 रु०

मार्ग कथकली अंक पृष्ठ संख्या 54 मूल्य—5.50 रु०

,, कत्थक अंक, पृष्ठ संख्या 66, मूल्य 5.50

संगीत नाटक अकादेमी बुलेटिन, अंक 5 से 18 (11 अंक मात्र) पृष्ठ संख्या लगभग 70, मूल्य प्रत्येक अंक 1)

किताबी—नौरस, इब्राहीम इदिलशाह द्वितीय—हिन्दी और उर्दू के गीतो के साथ, पृष्ठ सं० 16+160, मूल्य 15)

मोनोग्राफ आन मुथुकुमार पिल्ले—संपादक मोहन खोकर पृ० सं० 26, मूल्य 2-50.

क्लासिकल इण्डियन डांस इन लिटरेचर एण्ड दी आर्टस—सम्पादक डा० कपिल वात्स्यायन, मूल्य 60 रु.)

हूज हू ऑफ इण्डियन म्यूजिशियन्स, मूल्य 6 रुपये)

भारतीय लोक संगीत वाद्य यंत्र, सं० के० एस० कोठारी, मूल्य 20 रुपये.

स्प्रीचुअल हेरीटेज ऑफ त्यागराज—ले० डा० वी० राघवन एवं श्री सी० राजगोपालचारी, पृष्ठ नं० 631, मूल्य 10

संस्कृत

राग तत्व विबोध, श्रीनिवास (गायकवाड का ओरियन्टल सीरीज सं० सी० 36 पृ० सं० 62, मूल्य 4)

संगीत चूडामणि ले० कबिचक्रवर्ती जगदेकमल्ल (गायकवाड का ओरियन्टल सीरीज, सं० सी० 28), पृ० सं० 114, मूल्य : 6.50

वीणा लक्षण—ले० परमेश्वर (गायकवाड का औरियन्टल सीरीज सं० सी० 31) पृ० सं० 64, मूल्य 3.50

नृत्याध्याय (भारतीय नृत्य संबंधी शोध-ग्रन्थ) ले० अशोकमल । (गायकवाड का ओरिन्टल सीरीज, सं० 141, पृ० सं० 173, मूल्य 10)

रसकौमुदी (भारतीय संगीत संबंधी शोध ग्रन्थ) ले० श्रीकांत (गायकवाड का औरियन्टल सीरीज, सं० 143. पृ० सं 190, मूल्य 13)

हिन्दी

भातखंडे संगीत शास्त्र भाग 3—ले० विष्णु नारायण भातखंडे—सम्पादक लक्ष्मी नारायण गर्ग, पृ० संख्या 340, मूल्य6)

भातखंडे संगीतशास्त्र भाग 4—ले० विष्णु नारायण भातखंडे, सं० लक्ष्मी नारायण गर्ग, पृ० सं० 380, मूल्य 15)

संगीत सुधा सागर भाग 1—ले० श्री प्राणकृष्ण चटोपाध्याय, पृ० सं० 63 मूल्य 2)

दिल्ली 1857—ले० श्री महेश्वर दयाल, पृ० सं० 122, मूल्य 2.50 रु०

संगीतज्ञों के संस्मरण—ले० स्वर्गीय उस्ताद विलायत हुसैन खां, पृ० सं० 264 मूल्य 3)

एन्थोलोजी ऑफ हन्ड्रेड सांग्स ऑफ रवीन्द्र नाथ टैगोर इन अकादेमी नोटेशन्स भाग 1 (50 गीतों का संग्रह) पृ० सं० 25+212 मूल्य 20)

मानोग्राफ आन ओंकारनाथ ठाकुर—ले० विनय चन्द्र मोदगल्य, पृ० सं० 24, मूल्य 2.50 रु०

तमिल

दीक्षित कीर्तन माला—ले० वैणिक विद्वान ए० सुन्दरम अय्यर, भाग 1 से 13 (4 को छोड़कर) प्रत्येक भाग मूल्य 2), भाग 4 का मूल्य 1.50 रु० और पूरक अंक मूल्य 2.50 रु०

वाग्गेयाकर्क चरित्रम्—ले० वाणिक विद्वान् ए० सुन्दरम् अय्यर, पृ० सं० 120 मूल्य 2)

तेलगू

संगीत कला प्रदर्शनी—० श्री ए० सत्यनारायण मूर्ति, पृ० सं० 240, मूल्य 6)

देविगण सुधा—ले० श्री० ओगिरला वीरांधव शर्मा, भाग 1, पृ० सं० 84, मूल्य 3) भाग 2, पृ० सं० 76, मूल्य 3)

वासुदेव कीर्तन मंजरी भाग 2—ले० श्री के० वासुदेवाचार्य, पृ० सं० 15+232 मूल्य 6)

उर्दू

दिल्ली 1857—ले० महेश्वर दयाल, पृ० सं० 160, मूल्य 3)

कन्नड

राष्ट्रीय गीत—अंग्रेजी अनुवादों तथा स्वरलिपि के साथ मूल्य 1)

बंगला

राष्ट्रीय गीत—अंग्रेजी अनुवादों तथा स्वरलिपि के साथ मूल्य 2.50 रु.

परिशिष्ट 5

संगीत नाटक अकादेमी, नई दिल्ली

1968-69 वर्ष (गैर योजना) की आय और व्यय-लेखे का विवरण

आय	वास्तविक	व्यय	मूल बजट	संशोधित बजट	वास्तविक
रोकड़ जमा	70162.61	**कार्यालय का व्यय**			
सरकार से प्राप्त अनुदान	1998000.00	कर्मचारियों का वेतन	170000	170000	170388.16
प्रकाशनों की बिक्री	5812.68	भत्ते और मानदेय	99000	110000	115298.54
मिश्रित आय	2775.60	केन्द्रीय भविष्य निधि में दय अंश	26000	27000	18686.00
सवारी के लिए पेशगी पर ब्याज	24.37	किराया उपशुल्क और कर	85000	160000	157216.17
विज्ञापनों की बिक्री	170.00	अन्य खर्चे	35000	38000	38795.52
स्टूडियो के किराये की फीस	2489.05	कार्यालय का कुल खर्च	415000	505000	500344.39
		फर्नीचर और उपकरण	5000	5000	5864.06
		संग्रहालय और रिकार्ड	4000	4000	3563.15
		अनुसंधान और प्रकाशन	30000	30000	30591.12
		फिल्म और रिकार्ड निर्काण	25000	20000	19987.48

आय	वास्तविक	व्यय	मूल बजट	संशोधित बजट	वास्तविक
		पारिभाषिक शब्दावली और मूल पाठों का संकलन	5000	5000	4500.00
		पुस्तकालय	10000	10000	9675.64
		विभिन्न संस्थाओं को अनुदान	600000	600000	578312.00
		प्रकाशन अनुदान	30000	30000	23971.79
		विचार गोष्ठियों और प्रदर्शनियों पर व्यय	20000	20000	34268.27
		महापरिषद के सदस्यों और अन्य व्यक्तियों को सफर खर्च	20000	22000	21909.04
		पुरस्कार	40000	100000	99334.74
विभिन्न संस्थाओं द्वारा अनुदानों की वापसी	12.50	अकादेमी के समारोह और स्वागत	40000	40000	45223.17
		राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय और एशियाई रंगमंच संस्थान	400000	415000	415000.00
अकादेमी के समारोह (गालिब शताब्दी समारोह)	3000.00	जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादेमी इम्फाल	78000	78000	70000.00
सवारी खरीदने के लिए पेशगी रुपए की वसूली	3562.00	कथक केन्द्र, नई दिल्ली	200000	200000	195000.00

आय	वास्तविक	व्यय	मूल बजट	संशोधित बजट	वास्तविक
		रवीन्द्र शताब्दी समारोह	10000	4000	2827.50
त्यौहार पेशगी की वसूली	1481.00	लेखा परीक्षा फीस	2500	2500	1155.00
अवितरित वेतन	14796.54	सवारी खरीदने के लिए पेशगी	3000	2000	1464.00
सी० टी० डी०	1965.00	कानूनी खर्च	500	200	154.00
आयकर खाता	11987.00	त्यौहार पेशगी	1500	1500	1494.00
उचन्त खाता (केन्द्रीय भविष्य निधि)	28893.00	अवतरित वेतन	—	—	14796.54
		सी० टी० डी०	—	—	1965.00
उचन्त खाता (सामान्य)	1180.20	आयकर खाता	—	—	11987.00
महालेखा परीक्षक केन्द्रीय राजस्व को देय सामान्य भविष्य निधि	2172.00	उचन्त खाता (केन्द्रीय भविष्य निधि)	—	—	28943.00
		उचन्त खाता (सामान्य)	—	—	1177.10
पेशगी खाता	33584.66	महालेख परीक्षक केन्द्रीय राजस्व को देय सामान्य भविष्य निधि	—	—	2347.00
		पेशगी खाता	—	—	34923.26
		भारत सरकार को देय गृह निर्माण पेशगी	—	—	2800.00
गृह निर्माण पेशगी	2400.00				
स्कूटर पेशगी	666.00	भारत सरकार को देय स्कूटर पेशगी	—	—	660.00

आय	वास्तविक	व्यय		मूल बजट	संशोधित बजट	वास्तविक
नृत्य तथा संगीत गायन (शिक्षा मंत्रालय)	3098.09	नृत्य तथा संगीत गायन (शिक्षा मंत्रालय)		—	—	3098-09
		रूसी थियेटर प्रदर्शनी खाता		—	—	393.18
योजना व्यय	56000.00	योजना व्यय		—	—	56000.00
		राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय और एशियाई रंगमंच. नई दिल्ली		—	—	113120.00
		जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादेमी, इम्फाल		—	—	16878.69
विविध आय और जमा		**रोकड़ जमा :**				
		संगीत नाटक अकादेमी, नई दिल्ली				
(क) राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय और एशियाई रंगमंच, नई दिल्ली	142947.44	हाथ में रुपया	2039.94			
		बैंक में जमा रुपया	18456.84			
(ख) जवाहर लाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादेमी, इम्फाल	21899.39		20496.78			20496.78
		राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय और एशियाई रंगमंच संस्थान, नई दिल्ली				
		हाथ में रुपया	2508.38			

आय	बास्तविक	व्यय		मूल बजट	संशोधित बजट	वास्तविक
		स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में चालू खाता एक	20051.36			
		स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में चालू खाता दो	7026.07			
		डाक टिकटे और अंकन	240.93			29826.74
		जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादेमी, इम्फाल				
		हाथ में रुपया	51.00			
		बैंक में रुपया	4969.70			5020.70
कुल योग	2409073.13	कुल योग	1939500	2094200		2409073.13

नोट : राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय और एशियाई रंगमंच संस्था, नई दिल्ली तथा जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादेमी इम्फाल की आय और व्यय के लेखे अलग तैयार किये गये हैं और इन्हें परिशिष्ट संख्या 6 और 7 में देखा जा सकता है।

हस्ताक्षर रामप्रकाश
वित्त और लेखा अधिकारी

हस्ताक्षर सुरेश अवस्थी
सचिव

आय		व्यय	
		श्री ग्राणमणि सिंह यू. डी. सी. के 258 रु० मासिक वेतन समेत न्यून अतिरिक्त अपहरण,	709.53
कुल आय	91899.39		
कुल व्यय	86878.69	बैंक में पुन: जमा किया गया	86878.69
शेष	5020.70		

31-3-1969 को अव्ययित शेष	(1) बैंक में		4969.70
	(2) हाथ में		51.00
		कुल योग	5020.70

(पांच हज़ार, बीस रुपए और 70 पैसे)

हस्ताक्षर—सचिव,
जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादेमी,
इम्फाल

परिशिष्ठ 7

जवार लाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादेमी, इम्फाल

1-4-68 से 31-3-69 के आय-व्यय लेखे का विवरण

आय		व्यय	
रोकड़ जमा			
(31-3-68 की व्यय न की गई राशि)	12826.39	वेतन तथा भत्ते	56604.00
मणिपुर सरकार से प्राप्त अनुदान	5500.00	भविष्य निधि अंशदान	13973.00
संगीत नाटक अकादेमी, नई दिल्ली से		अन्य खर्चे	2989.50
प्राप्त अनुदान	70000.00	फर्नीचर तथा अध्यापन उपकरण	190.00
विद्यार्थियों से प्राप्त प्रवेश तथा		पुस्तकालय तथा प्रकाशन	721.75
शिक्षण शुल्क	423.00	प्रकाश, लेखन सामग्री, टिकटें जल कर (टेलीफोन किराये समेत)	5302.77
मंच तथा पेक्षागृह का बुकिंग खर्च	2200.00	पोशाकों तथा संगीत वाद्ययंत्रों की खरीद तथा मरम्मत	3535.00
संगीत नाटक अकादेमी के लिए		छात्र वृत्तियाँ	500.00
पोशाकों की खरीद	950.00	नृत्य प्रदर्शनों पर खर्च	1498.85
	———	पेशगियां	825.00
कुल आय	91899.39	संगीत नाटक अकादेमी के लिए पोशाकों नथा संगीत वाद्ययन्त्रों की खरीद	1347.30
		बैंक कमीशन	101-05

आय	वास्तविक	व्यय	मूल बजट	संशोधित बजट	वास्तविक
		संगीत नाटक अकादेमी सवारी पेशगियां	2603.00		12743.00
		संगीत नाटक अकादेमी भविष्य निधि			26842.00
		भविष्य निधि कर्मचारियों को वापस की गई राशि			1112.21
		विद्यार्थियों की जमा जमानत	350.00		350.00
		हाथ में शेष			
		हाथ में जमा	2508.38		
		स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में चालू खाता एक	20051.36		
		स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में चालू खाता दो	7026.07		
		डाक टिकट और अंकन	240.93		29826.74
कुल योग	598644.65	कुल योग			598644.65

हस्ताक्षर ई० अल्काज़ी
निदेशक

आय		वास्तविक	व्यय	मूल बजट	संशोधित बजट	वास्तविक
स्वतन्त्र भारत मिल्स उचन्त			पेशगियां	40726.44		
खाता	76.50		यात्रा भत्ता तथा मंहगाई भत्ता			
छात्रवृति उचन्त	1050.00	100936.53	पेशगियां	60.00		424948.39
			एल. टी. सी. पेशगियां	1502.00		
			विद्यार्थियों की पेशगिया	3468.38		
			अवितरित वेतन	15983.14		
			अवितरित छात्रवृति	2833.58		
			जी. ओ. आई. छात्रवृत्ति एक वर्ष	974.97		
			जी. ओ. आई. छात्रवृत्ति दो वर्ष	5982.14		
			जी. ओ. आई. छात्रवृत्ति तीन वर्ष	3000.00		
			जे एण्ड के छात्रवति	7126.42		
			सिक्किम यात्रा	4871.73		
			कलकत्ता नाटक प्रदर्शन	7305.50		
						103272.31
			पेशगियां			
			सवारी	400.00		
			भविष्य निधि	9740.00		

आय	वास्तविक	व्यय	मूल बजट	संशोधित बजट	वास्तविक
ए ल० टी० सी० पेशगी	1502.00	(6) समिति के सदस्यों को यात्रा तथा मंहगाई भत्ते	5000.00	7000.00	4466.03
यात्रा भत्ता तथा मंहगाई भत्ता पेशगी	60.00	(7) लेखा परीक्षक शुल्क	1250.00	1250.00	910.00
संगीत नाटक अकादेमी उचन्त	145.06	(8) त्यौहार पेशगी	1200.00	1200.00	1125.00
विद्यार्थियों से पेशगी	2789.55	(9) जमानत जमा (एन० डी० एम० सी०)	—	3050.00	3009.00
अवतरित वेतन	15983.14				
अवितरित छात्रवृत्तियां	2833.58	खुला रंगमंच			
अवितरित पारिश्रमिक	16.00				
जी० ओ० आई छात्रवृत्ति 1 वर्ष	500.00	(1) निर्माण कार्य	—	15700.00	15642.39
जी० ओ० आई छात्रवृति 2 वर्ष	6225.25	(2) प्रकाश व्यवस्था	—	5000.00	4995.01
जी० ओ० आई छात्रवृत्ति 3 वर्ष	3000.00	(3) विद्युत संयोजन	—	3750.00	3743.30
जम्मू एण्ड काश्मीर अकादेमी छात्रवृत्ति	7313.49	पहली से दसवीं मद तक कुल व्यय	429000.00	452000.00	424498.39
सिक्कम यात्रा	4182.50	उचन्त सामान्य			
कलकता प्रस्तुतीकरण	5116.55	उचन्त	2246.01		
		आयकर	7192.00		

आय		वास्तविक	व्यय	मूल बजट	संशोधित बजट	वास्तविक
भविष्य निधि			(3) **पुस्तकालय**	10000.00	10000.00	9305.49
कर्मचारियों तथा विद्या-			(4) **प्रकाशन**			
लय का अंशदान	19582.00		(थियेटर इम्पैकट पत्रिका)	1000.00	1000.00	990.28
संगीत नाटक अकादेमी			(5) **फर्नीचर और उपकरण**			
भविष्य निधि	1013.09		(क) कार्यालय फर्नीचर और			
संगीत नाटक अकादेमी			उपकरण	1000.00	3500.00	2979.43
उचन्त	99.12	20694.21	(ख) उपकरण प्रशिक्षण			
जमानत जमा	———		(ग) रंगमंच सामग्री और सम्पत्ति	1150.00	1150.00	806.45
जमानत जमा (दिल्ली			(घ) पोशाक	300.00	300.00	134.30
नगरनिगम और नई			(ङ) वेश सज्जा	300.00	300.00	79.92
दिल्ली नगरपालिका)	641.10		(च) ध्वनि और संगीत	4000.00	3000.00	401.66
विद्यार्थियों की जमनातजमा	980.00		(छ) प्रकाश	3000.00	4000.00	1087.15
रैपरटरी कर्मचारियों की			(ज) वर्कशाप	500.00	500.00	51.25
जमानत जमा	960.00	2581.10	(झ) फोटोग्राफी	4000.00	4000.00	1100.00
उचन्त सामान्य	———		(ङ) प्रेक्षागृह	1000.00	1000.00	783.48
उचन्त	2224.47		(ठ) पुस्तकालय	500.00	500.00	338.68
आयकर	7192.00		(ट) मिश्रित	200.00	700.00	351.85
पेशगियां	40726.44		फर्नीचर और उपकरण का कुल व्यय	15950.00	18950.00	8114.17

आय		वास्तविक	व्यय	मूल बजट	संशोधित बजट	वास्तविक
त्यौहार पेशगी	1088.00		(2) **प्रशिक्षण व्यय**			
संगीत नाटक अकादेमी भविष्य निधि पेशगी	9740.00		(क) छात्र वृत्तियां	57500.00	39500.00	35903.81
संगीत नाटक अकादेमी सवारी पेशगी	400.00		(ख) रैपरटरी कम्पनी (छात्र-वृत्ति परिवर्धन)	21100 00	18400 00	18335.53
भविष्य निधि पेशगी	7135.00		(ग) परीक्षकों की फीस	4400.00	4500.00	4415.28
भविष्य निधि पेशगी पर ब्याज	125.00		(घ) वर्कशाप की सामग्री	4500.00	6400.00	4886.58
सवारी पेशगी	2592.00		(ङ) पुरस्कार और डिप्लोमा इनाम	1000.00	1000.00	920.85
सवारी पेशगी पर ब्याज	11.00	21091.00	(च) नाट्य रचना (प्रशिक्षण)	30000.00	35500.00	35411.94
			(छ) वेष सज्जा सामग्री	500.00	550.00	519.50
			(ज) विशिष्ट भाषण	3000.00	2000.00	1320.00
			(झ) अनुवाद शुल्क और रायल्टी	1000.00	1000.00	965.00
			(ट) अन्य खर्चे	—	250.00	240.00
			(ठ) अंशकालिक पाठ्यक्रम	—	5500.00	5423.41
			कुल प्रशिशण व्यय	123000.00	114600.00	108341.90

परिशिष्ट 6

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय और एशियाई रंगमंच, नयी दिल्ली

1-4-68 से 31-3-69 तक की आय और व्यय लेखे का विवरण

आय	वास्तविक		व्यय	मूल बजट	संशोधित बजट	वास्तविक
रोकड़ जमा			(1) **कार्यालय का व्यय**			
हाथ में	418.47		(क) कर्मचारियों का वेतन	130300.00	119850.00	119815.10
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में चालू खाता एक	4711.57		(ख) भत्ते और मानदेय	73900.00	71000.00	69265.67
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में चालू खाता दो	5420.86		(ग) भविष्य निधि में देय अंश	10400.00	9750.00	9633.00
डाक टिकटें और अंकन	96.43	10647.33	(घ) किराया उपशुल्क और कर	31000.00	33000.00	31905.10
संगीत नाटक अकादेमी		415000.00	(ङ) विज्ञापन, लेखन सामग्री और मुद्रण व्यय	9500.00	15000.00	11436.12
विद्यार्थियों से फीस		11925.00	(च) केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा योजना	3500.00	3800.00	3705.00
मिश्रित आय		15769.48	(छ) मिश्रित आय	13000.00	18100.00	18095.83
			कुल कार्यालय व्यय	271600.00	270500.00	263855.82

परिशिष्ट 5 क

संगीत नाटक अकादेमी, नयी दिल्ली

1968-69 वर्ष (योजना) की आय और व्यय लेखे का विवरण

आय	वास्तविक	व्यय		मूल बजट	संशोधित बजट	वास्तविक
रोकड़ जमा	27039.25	अकादेमी संग्रहालय का विस्तार		50000	55000	47178.25
		लोक संगीत नृत्य और नाटक का सर्वेक्षण		71000	71000	56655.77
सरकार से प्राप्त अनुदान	102900.00	छात्रवृत्ति परियोजना		29000	3000	4753.19
पेशगी खाता	24411.52	संगीत विज्ञान में अनुसंधान यूनिट		50000	1000	—
गैर योजना खाता	56000.00	पेशगियां		—	—	30885.52
		गैर योजना खाता		—	—	56000.00
		रोकड़ जमा				
		हाथ में रुपया	588.44			
		बैंक में रुपया	14289.60	—	—	14878.04
कुल योग	210350.77			200000	130000	210350.77

हस्ताक्षर राम प्रकाश
वित्त और लेखा अधिकारी

हस्ताक्षर सुरेश अवस्थी
सचिव